वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

• वर्ष 8 • अंक 213 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली मंगलवार 20 अक्टूबर 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रूपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

कोरोना केस में कमी, क्योंकि भारत ने सबसे पहले लॉकडाउन लागू किया: पीएम मोदी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए कोविड-19 महामारी से संबंधित प्रमुख प्राथमिकताओं पर चर्चा के लिए आयोजित ग्रैंड चैलेंजेज वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए विज्ञान और इनोवेशन यानी नवाचार में पहले से ही निवेश करना होगा। समाज का भविष्य विज्ञान और नवाचार में निवेश से ही आकार लेगा प्रधानमंत्री कहा कि आज भारत में कोरोना संक्रमण के मामलों में कमी आई है और इससे ठीक होने की दर 88 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए संभव हो सका क्योंकि भारत ने सबसे पहले लॉकडाउन लगाया और लोगों को मास्क पहनने के लिए प्रेरित किया।

ग्रैंड चैलेंजेस की वार्षिक बैठक को वीडियो कांफ्रेस से संबोधित करते हुए अपने उद्घाटन भाषण में मोदी ने कहा कि कोविड संक्रमण का टीका विकसित करने के मामले में हम अग्रिम मोर्चे पर है और इनमें से कुछ तो एडवांस स्टेज पर हैं। उन्होंने कहा कि आज हम देख रहे है कि देश में कोरोना संक्रमण के मामले प्रति दिन घट रहे हैं और इसकी वृद्धि की दर में भी कमी आई है। भारत में आज ठीक होने की दर भी 88 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा, ऐसा इसलिए संभव हुआ क्योंकि भारत लॉडाउन लागू करने वाला पहला देश था। भारत पहले देशों में था जिसने मास्क के इस्तेमाल को लेकर लोगों को प्रोत्साहित किया। संक्रमण का पता लगाने के लिए भारत ने प्रभावी तरीके से काम किया और रेपिड एंटीजन जांच शुरू करने वाले पहले देशों में प्रधानमंत्री ने कहा, हम यहीं रूकने वाले नहीं हैं। हम टीका वितरण का तंत्र भी विकसित कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि भारत ने स्वच्छता बढ़ाने और शौचालयों की संख्या बढ़ाने समेत अनेक प्रयास किए हैं जो बेहतर स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में योगदान दे रहे हैं। ग्रैंड चैलेंजेस पिछले 15 वर्षों से स्वास्थ्य और विकास के क्षेत्र में चुनौतियों का समाधान करने में नवाचार के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए काम कर रहा है।

दिल्ली महिला आयोग के छह कर्मचारी कोरोना से संक्रमित

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की हेल्पलाइन 181 के तीन कर्मचारियों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। आयोग के बयान के अनुसार हेल्पलाइन का संचालन नारायणा इलाके से किया जा रहा है, जहां 36 परामर्शदाता काम करते हैं। बयान के अनुसार कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए छह कर्मचारियों में से दो सुपरवाइजर हैं, जबकि चार अन्य हेल्पलाइन परामर्शदाता हैं। सभी को उनके घरों में पृथक रहने के लिये कहा गया है और कार्यालय को अच्छी तरह संक्रमण मुक्त किया गया है। हेल्पलाइन की शाम की पाली के कर्मचारियों को घर से काम करने के लिये कहा गया जबकि सुबह की पाली में पर्याप्त साफसफाई रखी जा रही है और सामाजिक दूरी के नियमों का पालन किया जा रहा है। आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा, ''बीते पांच साल के दौरान हमारी हेल्पलाइन पर लाखों कॉल आई हैं।

बहुत जल्द लागू होगा CAA कोरोना के चलते हुई देरी: नड्डा

(विशेष संवाददाता)

सिलीगुड़ी। भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने सोमवार को कहा कि कोरोना महामारी के कारण नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लागू करने में देरी हुई और दावा किया कि जल्द ही यह कानून लागू किया जाएगा। भाजपा अध्यक्ष ने पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की सरकार पर 'फूट डालो और राज करो' की नीति पर चलने का आरोप लगाया और विश्वास जताया कि प्रदेश में अगली सरकार भाजपा की बनेगी। अपने एकदिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे नड्डा ने 2021 में प्रस्तावित पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले संगठनात्मक तैयारियों का जायजा लिया और विभिन्न समुदाय के लोगों से चर्चा की और उन्हें संबोधित भी किया। नड्डा ने कहा, आपको सीएए मिलेगा और मिलना तय है। अभी नियम बन रहे हैं। कोरोना के कारण थोड़ी रूकावट आई है। जैसेजैसे कोरोना हट रहा है, नियम तैयार हो रहे हैं। बहुत जल्द आपको उसकी सेवा मिलेगी। इसको हम पूरा करेंगे। पश्चिम बंगाल सरकार पर हमला बोलते हुए

उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के राज में इतने समय तक हिन्दू समाज पर आघात किया गया। उन्होंने कहा, अब जब समझ में आ गया तो हर समाज को जोड़ने के लिए फुसलाने का प्रयास हो रहा है। ये वो लोग हैं जो केवल वोटबैंक की राजनीति करते हैं, सिर्फ सत्ता में रहने के लिए राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और मोदी जी की मूल नीति है 'सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास जबकि दूसरी पार्टियों कि नीति है फूट डालो, समाज को बांटो, अलगअलग करके रखो, अलगअलग मांग करो और राज करो।

कमलनाथ के आइटम कहने पर फूट-फूट कर रोईं मध्यप्रदेश की महिला मंत्री इमरती देवी

(विशेष संवाददाता)

भोपाल, 19 अक्टूबर । मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा कथित तौर पर आइटम कहे जाने पर मध्य प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री इमरती देवी सोमवार को फूटफूट कर रोईं। उनके रोने का वीडियो स्थानीय टेलीविजन चैनलों पर दिखाई देने के साथ ही सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता रजनीश अग्रवाल ने कहा कि टेलीविजन चैनलों और सोशल मीडिया पर दलित समुदाय की भाजपा नेता इमरती देवी के फफकफफक कर रोने का जो वीडियो चल रहा है, वह एक निजी समाचार चैनल पर सोमवार के एक कार्यक्रम का है। कमलनाथ द्वारा उन्हें आइटम कहे जाने संबंधी सवाल पर वह डबरा में रो पड़ीं। इससे पहले, रविवार रात इमरती ने डबरा में मीडिया से कहा, उनका बोलना स्वाभाविक है। इसलिए स्वाभाविक है कि वह बंगाल का आदमी है। उसको बोलने की सभ्यता नहीं है। उस व्यक्ति को क्या कहा जाए। एक हरिजन महिला की इज्जत करना वह क्या जानता है? यह रहे हैं। मध्य प्रदेश में चंबल संभाग की हरिजन महिला से ऐसे बोल रहे हैं कि वो एक आइटम है। आइटम क्या होता है? वो तो ये ही जवाब दे दें कि

पूछे जाने पर कि क्या कमलनाथ की टिप्पणी के बाद कांग्रेस मध्य प्रदेश में 28 सीटों पर तीन नवंबर को होने वाले उपचुनाव के बाद फिर से अपनी सरकार बना सकती है, इमरती ने कहा, वह (कमलनाथ) एक विधायक नहीं जिता सकते। वह चंबल क्षेत्र में आकर इस तरह से बोल आइटम होता क्या है...? उन्होंने कहा,ऐसे लोगों को मध्य प्रदेश में रहने को कोई हक नहीं है। वह बंगाल से आया है। मध्य प्रदेश में मांबेटियों को लक्ष्मी के रूप में माना जाता है और आज वह मध्य प्रदेश की सारी लक्ष्मियों को गाली दे रहा है। मैं चाहती हूं कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी कमलनाथ को अपनी पार्टी से हटाएं। इमरती ने कहा, मैं तो कमलनाथ को भाई के रूप में समझती थी, लेकिन वह तो राक्षस है। उल्लेखनीय है कि इमरती देवी के खिलाफ डबरा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश राजे के लिए चुनाव प्रचार करते हुए कमलनाथ ने रविवार को कहा था, डबरा से सुरेश राजे जी हमारे उम्मीदवार हैं। सरल स्वभाव के, सीधेसादे हैं। ये तो उसके जैसे नहीं हैं। क्या है उसका नाम? इस बीच, वहां मौजूद जनता जोरजोर से इमरती देवी, इमरती देवी कहने लगी। इसके बाद कमलनाथ ने हंसते हुए कहा, मैं क्या उसका नाम लूं। आप तो उसको मेरे से ज्यादा पहचानते हैं। आपको तो मुझे पहले ही सावधान कर देना चाहिए था। ये क्या आइटम है? ज्योतिरादित्य ड्क्षसधिया के निष्ठावान समर्थकों में गिनी जाने वाली इमरती देवी कांग्रेस के उन 22 बागी विधायकों में से एक हैं ।

पांडुरंग शास्त्री का सेवा कार्य सदैव सभी को प्रेरणा देता रहेगा: शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रख्यात दार्शनिक व समाज सुधारक पांडुरंग शास्त्री की जन्म शताब्दी पर उन्हें याद करते हुए कहा कि उनका सेवा कार्य सभी को सदैव प्रेरणा देता रहेगा। शाह ने सोमवार को ट्वीट कर कहा, 'प्रख्यात दार्शनिक व समाज सुधारक पूज्य पांडुरंग शास्त्री 'दादाजी' की जन्म शताब्दी पर उन्हें नमन। उन्होंने श्रीमद् भगवद गीता के उपदेशों को सरलता पूर्वक लोगों तक पहुंचाया और स्वाध्याय आन्दोलन की शुरुआत कर स्वाध्याय परिवार की स्थापना की। उनके सेवा कार्य हमको सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।' उल्लेखनीय है कि समाज सुधारक पांडुरंग शास्त्री आठवले आध्यात्मिक गुरू तथा समाज सुधारक थे। उन्होंने सन् 1954 में स्वाध्याय आन्दोलन चलाया और स्वाध्याय परिवार की स्थापना की। स्वाध्याय आन्दोलन श्रीमद् भगवद गीता पर आधारित आत्मज्ञान का अन्दोलन है, जो भारत के एक लाख से अधिक गावों में फैला हुआ है और इसके कोई लाखो सदस्य हैं।

माहवारी के दौरान महिला कर्मियों को मिले माहवारी अवकाश

माहवारी अवकाश देने का निर्देश देने के लिए अदालत में जनहित याचिका

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 19 अक्टूबर । दिल्ली उच्च न्यायालय में सोमवार को एक जनहित याचिका दायर की गई जिसमें केंद्र सरकार और राष्ट्रीय राजधानी की आम आदमी पार्टी (आप)की सरकार को महिला किर्मयों के लिए माहवारी के दौरान सवेतन अवकाश और आवधिक आराम देने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। याचिका में महिलाओं को विशेष आकस्मिक अवकाश या सवेतन अवकाश देने का अनुरोध किया गया है क्योंकि इसमें कहा गया है कि माहवारी गहराई से मानव सम्मान से जुड़ा है और इस अवधि में अलग से शौचालय की सुविधा और स्वछता बनाए रखने के लिए आराम, विशेष आकस्मिक या सवेतन अवकाश नहीं देकर अधिकारी महिला कर्मचारियों को उनके मानव सम्मान से वंचित कर रहे हैं। हालांकि, इस याचिका पर सोमवार को सुनवाई नहीं हो सकी क्योंकि मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जैन की पीठ इस दिन नहीं बैठती। अब इस मामले को सुनवाई के लिए 23 नवंबर को सूचीबद्ध किया गया है। इस याचिका को दिल्ली मजदूर संघ ने अधिवक्ता राजीव अग्रवाल के जरिये दाखिल किया है और केंद्र और राज्यों को दैनिक वेतन भोगी, संविदा कर्मी और आउटसोर्स सहित सभी वर्गों की महिला कर्मचारियों को महीने में चार दिन सवेतन अवकाश देने या अगर वे ड्यूटी करती हैं तो उस अवधि के

लिए ओवर टाइम देने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। इसके अलावा याचिका में माहवारी के दौरान महिला कर्मचारियों को आराम, अलग से साफ शौचालय और सेनेट्री नैपकीन की सुविधा देने का भी अनुरोध किया गया है।

चीन की बढ़ी टेंशन, क्वाड देश पहली बार एकसाथ करेंगे नौसैन्य युद्धाभ्यास

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । चीन की अपना प्रभुत्व बढाने की रणनीति पर अंकुश लगाने के लिए भारत, अमेरिका , जापान और आस्ट्रेलिया के 'क्वाड' की लामबंदी आज उस समय और अधिक मजबूत हो गई जब भारत ने अमेरिका तथा जापान की नौसेना के साथ होने वाले अभ्यास मालाबार में आस्ट्रेलियाई नौसेना को शामिल करने के लिए औपचारिक निमंत्रण दे दिया। नौसेना ने आज कहा कि समुद्री क्षेत्र में अन्य देशों के साथ सहयोग बढाने और विशेष रूप से आस्ट्रेलिया के साथ रक्षा क्षेत्र में सहयोग को पुख्ता करने की दिशा में आगे बढते हुए इस वर्ष होने वाले मालाबार अभ्यास में आस्ट्रेलियाई नौसेना की भी हिस्सेदारी का निर्णय लिया गया है। यह अभ्यास बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में होगा। भारत और अमेरिका की नौसेनाओं के बीच मालाबार अभ्यास 1992 में शुरू हुआ था। पांच साल पहले वर्ष 2015 में जापान नौसेना भी इसमें शामिल हुई थी। नौसेना के अनुसार इस वर्ष यह अभ्यास केवल समुद्री क्षेत्र में होगा और इससे चारों देशों की नौसेनाओं के बीच समन्वय बढेगा। यह तालमेल समुद्री क्षेत्र में सुरक्षा को बढाने में सहायक सिद्ध होगा। ये देश मुक्त, खुले और समावेशी हिन्द प्रशांत क्षेत्र के पक्षधर हैं और अंतर्राष्टीय नियम और कानूनों पर आधारित व्यवस्था के प्रति वचनबद्ध हैं। मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि यह युद्धाभ्यास के बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में इस साल के अंत तक होने की उम्मीद है। इस युद्धाभ्यास को लेकर ऑस्ट्रेलिया की रक्षा मंत्री लिंडा रेनॉल्ड्स ने भी समर्थन जताया है। उन्होंने अपने बयान में कहा है कि मालाबार युद्धाभ्यास इंडोपैसिफिक क्षेत्र के चार प्रमुख लोकतांत्रिक देशों के बीच गहरे विश्वास और उनकी साझा इच्छाशक्ति को आम सुरक्षा हितों पर एक साथ काम करने के लिए प्रतिबद्धता दिखाता है।

हाईकोर्ट: यूपी सरकार ने माना, 31661 शिक्षकों के चयन में गलतियां हुई

(विशेष संवाददाता)

प्रयागराज । 69 हजार सहायक अध्यापक भर्ती में 31661 पदों पर नियुक्ति के मामले में राज्य सरकार ने चयन में गलतियां होने की बात स्वीकार की है। सोमवार को हाईकोर्ट में सरकार की ओर से माना गया कि कम मेरिट के कुछ अभ्यर्थियों को नियुक्ति मिल गई जबकि अधिक मेरिट वालों को नहीं मिल सकी। हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान एडवोकेट जनरल राघवेंद्र सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बताया कि एनआईसी और बेसिक शिक्षा परिषद से हुई इस गलती के जांच के लिए सरकार ने कमेटी गठित कर दी है। उन्होंने कोर्ट को कि जो भी गलतियां हुई हैं, उन्हें सुधारा जाएगा और गलत चयन रद्द किए जाएंगे। महाधिवक्ता के इस बयान के बाद कोर्ट ने मामले पर अगली सुनवाई के लिए 17 नवंबर की तारीख लगा दी। संजय कुमार यादव व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति अजीत कुमार ने एडवोकेट जनरल से उनका यह बयान दर्ज करने की बात पूछी तो उन्होंने इस पर सहमति दे दी और कहा कि सूची जारी करने में एनआईसी व बेसिक शिक्षा परिषद के स्तर से हुई गलती को सुधारा जाएगा तथा कम गुणांक वालों को दिए गए नियुक्ति पत्र निरस्त कर अधिक गुणांक पाने वालों का चयन किया जाएगा। जबकि अधिक गुणांक वाले चयन से बाहर हैं। इससे पूर्व कोर्ट ने राज्य सरकार से इस विसंगति के बारे में जवाब मांगा था।

भारत में अब नाक के जरिए दी जाने वाली वैक्सीन के ट्रायल होंगे

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली कोरोना की जंग में जीत हासिल करने के लिए भारत में वैक्सीन का काम जोरों पर चल रहा है और अब जल्द ही इंट्रानैसल वैक्सीन का ट्रायल भी शुरू किया जाएगा। ये जानकारी सरकार की तरफ से दी गई है।

इस बारे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने कहा कि रेगुलेटरी मंजूरी मिलते ही सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक नाक के जरिए दी जाने वैक्सीन का ट्रायल शुरू कर देंगे। फिलहाल भारत में नेजल वैक्सीन पर कोई ट्रायल नहीं चल रहा है। भारत में अब नाक के जरिए दी जाने वाली वैक्सीन के ट्रायल की तैयारी खबर के मुताबिक कोरोना वायरस वैक्सीन को लेकर भारत बायोटेक ने वाशिंगटन यूनिवर्सिटी और सेंट लुइस यूनिवर्सिटी के साथ एक समझौता किया है।

डॉक्टर हर्षवर्धन ने कहा, भारत बायोटेक ने वाशिंगटन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मेडिसिन के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत कंपनी **Sars-CoV-**2 के लिए इंट्रानेजल वैक्सीन का ट्रायल, उत्पादन और व्यापार करेगी। उन्होंने बताया कि सीरम इंस्टीट्यूट और भारत बायोटेक अपने नैजल कोरोना वायरस वैक्सीन का लेट स्टेज ट्रायल भारत में जल्द शुरू करेंगे जिसमें 30,000 से 40,000 तक वॉलंटियर्स शामिल हो सकेंगे। भारत में नाक के जरिए दी जाने वाली वैक्सीन के ट्रायल की तैयारी आपको बता दें कि भारत के डॉक्टर रेड्डीज लैब और रशियन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट फंड को भी भारत में **Sputnik V** वैक्सीन के लेट स्टेज क्लीनिकल ट्रायल करने की अनुमति मिल चुकी है। इससे पहले **DGCI** ने ये कहते हुए मंजूरी देने से इंकार कर दिया था कि रूस में इस वैक्सीन के पहले और दूसरे चरण का ट्रायल बहुत कम लोगों पर किया गया है।

स्कूलों के खुलने का सिलसिला शुरू, नंवबर से खुलेंगे केंद्रीय और नवोदय विद्यालय

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। करीब सात महीने से बंद पड़े स्कूलों के फिर से खुलने का सिलसिला शुरु हो गया है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम जैसे राज्यों ने सोमवार को अपने स्कूलों को खोल दिया है।

ऐसे में केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय जैसे सगंठनों ने भी देश भर के अपने स्कूलों को खोलने की तैयारी कर ली है। फिलहाल इन स्कूलों को दो नवंबर से खोलने की योजना बनाई गई है। इसे लेकर अभिभावकों से राय ली जा रही है। मौजूदा समय में देश भर में करीब 1250 केंद्रीय विद्यालय और 650 नवोदय विद्यालय है। जिसमें करीब 15 लाख छात्र पढ़ते है।

स्कूलों के खोलने का यह सिलसिला गृह मंत्रालय के दिशा निर्देशों के बाद शुरु हुआ है, जिसमें स्कूलों को पंद्रह अक्टूबर के बाद खोलने की अनुमति दी गई है। हालांकि अभी सिर्फ नौवीं से बारहवीं तक के ही बच्चों को बुलाने की अनुमति दी गई है। इस बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने स्कूलों को खोले जाने के बाद दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा मानकों का भी ऐलान किया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक छात्रों के लिए पूरे समय मास्क पहनना और दो गज की दूरी को अनिवार्य किया गया है। साथ ही लंच और पानी की बोलत के साथ सेनीटाइजर को भी अनिवार्य रूप से लाना होगा।

छात्रों को थर्मल स्क्रीनिंग और अभिभावकों की अनुमति का प्रमाण पत्र साथ लाने के बाद ही स्कूलों के अंदर प्रवेश दिया जाएगा।

इस निर्देशों के बाद राज्यों ने स्कूलों के खोलने का काम शुरू दिया है। हालांकि अभी भी ज्यादातर राज्य स्कूलों के खोलने को लेकर उहापोह है। वहीं केंद्र ने साफ किया है, कि स्कूलों के खोलने के लिए राज्यों की अनुमति जरूरी होगी। हालांकि स्कूलों के खोलने को लेकर शिक्षा मंत्रालय राज्यों के साथ लगातार संपर्क में है।

चीन के सामने झुका पाकिस्तान, 10 दिन के भीतर टिकटॉक से हटाया बैन

इस्लामाबाद । भारत और अमेरिका के बाद चाइनीज ऐप टिकटॉक को बैन करने वाला पाकिस्तान ड्रैगन के सामने खड़ा नहीं रह पाया और चाइनीज दबाव में आकर इमरान खान की सरकार ने वीडियो शेयरिंग ऐप से बैन हटा लिया है। पाकिस्तान सरकार की ओर से कहा गया है कि चाइनीज ऐप कंपनी ने वादा किया है कि अश्लीलता फैलाने में शामिल सभी अकाउंट्स को ब्लॉक किया जाएगा। पाकिस्तान टेलिकॉम्युनिकेशन अथॉरिटी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि मुल्क में ऐप को अनब्लॉक कर दिया गया है। पाकिस्तान सरकार ने 9 अक्टूबर को ऐप पर बैन लगा दिया था। इमरान खान की सरकार ने आरोप लगाया था कि टिकटॉक से देश में अश्लीलता फैल रही है। टेलिकॉम रेग्युलेटर ने कहा था कि ऐप को बैन करने का फैसला समाज के विभिन्न वर्गों से मिली शिकायत के बाद लिया गया था।

24 घंटे में आए 55 हजार नए मरीज, कुल 75 लाख संक्रमित

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। देश में तीन महीने बाद एक दिन में कोरोना से मौत का आंकड़ा 600 से कम हुआ है। पिछले 24 घंटे में 579 कोरोना संक्रमितों ने अपनी जान गंवाई है। इससे पहले एक दिन में 600 से कम मौत 21 जुलाई को हुई थी। देश में रिकवर होने वाले मरीजों की संख्या भी नए मामलों से ज्यादा आ रही है। पिछले 24 घंटों में 55,722 नए कोरोना मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि 66,399 मरीज ठीक भी हो गए।

स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 75 लाख 50 हजार के पार पहुंच गई है। इनमें से एक लाख 14 हजार 610 मरीजों की मौत हो चुकी है। वहीं रिकवरी मामलों की संख्या 66 लाख 63 हजार तक पहुंच गई है और एक्टिव केस की संख्या घटकर 7 लाख 72

हजार पर आ गई है। संक्रमण के एक्टिव केस की संख्या की तुलना में रिकवर हुए लोगों की संख्या आठ गुना ज्यादा है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में कोरोना वायरस के एक्टिव केस, मृत्यु दर और रिकवरी रेट का प्रतिशत सबसे ज्यादा है। 18 अक्टूबर तक कोरोना वायरस के कुल 9 करोड़ 50 लाख सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं, जिनमें से 8।59 लाख सैंपल की टेस्टिंग कल की गई। पॉजिटिविटी रेट करीब सात फीसदी है। देश के एक्टिव केस 6 हफ्ते के बाद 8 लाख से नीचे आए हैं। 22 राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में 20,000 से कम एक्टिव केस हैं। केवल केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र में 50,000 से ज्यादा एक्टिव मामले रिपोर्ट हो रहे हैं। सबसे ज्यादा एक्टिव केस महाराष्ट्र में हैं। एक्टिव केस मामले में दुनिया में भारत का दूसरा स्थान है। कोरोना संक्रमितों की संख्या के हिसाब से भारत दुनिया का दूसरा सबसे प्रभावित देश है। मौत के मामले में अमेरिका और ब्राजील के बाद भारत का नंबर है राहत की बात है कि मृत्यु दर और एक्टिव केस रेट में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मृत्यु दर गिरकर 1।51% हो गई। इसके अलावा एक्टिव केस जिनका इलाज चल है उनकी दर भी घटकर 10% हो गई है। इसके साथ ही रिकवरी रेट यानी ठीक होने की दर 88% पर है।

एक नजर

मकान तोड़ने के विरोध में दिया धरना, पुलिस ने उठाया

नई दिल्ली। मास्टर प्लान रोड पर जगतपुरी पुलिस स्टेशन के सामने सोमवार को लोग धरने पर बैठ गए। गत जुलाई में सुप्रीम कोर्ट आदेश पर निगम और पीडब्ल्यूडी ने यहां अवैध रूप से बने 50 से ज्यादा मकानों को तोड़ दिया गया था। उसी के विरोध में लोगों ने धरना दिया। धरने की सूचना मिलते ही आनन फानन में प्रीत विहार थाने के पुलिसकर्मी व अर्द्धसैनिक बल के जवान मौके पर पहुंचे। पुलिस ने किसी तरह से धरना खत्म करवाया। धरने पर बैठे लोगों व पुलिस के बीच काफी नोकझोंक भी हुई। कोरोना का हवाला देकर पुलिस ने धरने को खत्म करवाया। धरने का नेतृत्व करने वाली परवीन ने कहा कि चार सौ लोग बेघर हो गए हैं। उन्होंने जमीन वापस लेने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, वहीं धरने पर बैठी दूसरी महिला रीनू ने कहा कि सिर के ऊपर से छत छिन जाने के बाद वे लोग दरदर की ठोकर खा रहे हैं। कोरोना के कारण लोग उन्हें अपना घर किराये पर भी नहीं दे रहे हैं।

भारत का फाइबर ब्रॉडबैंड बाजार अभी काफी सीमित

नई दिल्ली। देश का फाइबर ब्रॉडबैंड बाजार अभी 30 लाख ग्राहकों तक ही सीमित है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दिशा में नए सिरे से प्रयासों से ऑपरेटरों शीर्ष खपत वाले उपभोक्ता वर्ग में 'इस क्षेत्र के लिए भी हिस्सेदारी हासिल सकते हैं। सीएलएसए की इस क्षेत्र पर ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि देश का वायरलाइन ब्रॉडबैंड बाजार तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज की तारीख तक एक साल के दौरान वायरलाइन ब्रॉडबैंड के नए कनेक्शनों की संख्या में 10 लाख का इजाफा हुआ है और यह दो करोड़ के आंकड़े को पार कर गया है। 10 लाख कनेक्शनों की यह बढ़ोतरी वित्त वर्ष 201617 से 201920 के दौरान हुई कुल वृद्धि से अधिक रही है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़ों के अनुसार कोविड19 महामारी और लॉकडाउन के बीच देश के ब्रॉडबैंड वायरलाइन बाजार ने चालू साल में अब तक 10 लाख नए कनेक्शन जोड़े हैं। इस तरह कुल कनेक्शनों की संख्या 2.01 करोड़ पर पहुंच गई है।''

महिंद्रा की ऑल न्यू थार की बुकिंग 15,000 के पार पहुंची

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की नई एसयूवी ऑल न्यू थार की 15,000 से अधिक बुकिंग हो चुकी है। कंपनी ने इसे 2 अक्टूबर, 2020 को लॉन्च किया था। एमएंडएम 19.4 बिलियन डॉलर के महिंद्रा समूह का हिस्सा है। नई थार के कुल खरीदारों में 57 प्रतिशत पहली बार कार खरीदने वाले हैं और कुल बुकिंग्स में से एक बड़ा हिस्सा ऑटोमेटिक वैरिएंट्स का है। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के सीईओ विजय नाकरा ने कहा, 'अब तक नई थार की बुकिंग्स 15,000 के पार पहुंच चुकी है। नई थार को मिली इस जबरदस्त प्रतिक्रिया की हमें बेहद खुशी है। खास तौर पर दिलचस्प बात यह है कि इस महत्वपूर्ण ब्रांड के पुराने चहेतों के अलावा लाइफस्टाइल के इच्छुकों के बीच नई थार के प्रति भारी स्वीकार्यता देखने को मिली है। इस शानदार प्रतिक्रिया के मद्देनजर, हम हमारी क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा रहे हैं।' नई थार को लेकर खरीदारों और ऑटो एक्सपर्ट्स में काफी दिलचस्पी देखने के मिल रही है। 2 अक्टूबर, 2020 के इसके लॉन्च के बाद से, नई थार को लेकर 65,000 से अधिक इनक्वायरीज की जा चुकी है और वेबसाइट पर इसके लिए 8 लाख से अधिक विजिटर्स आ चुके हैं।

दिल्ली सरकार कल से शुरू करेगी युद्ध, प्रदूषण के विरुद्ध अभियान

21 अक्टूबर से 15 नवंबर तक जमीनी स्तर पर 'रेड लाइट आन, गाड़ी आफ' अभियान चलेगा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा युद्ध, प्रदूषण के विरुद्ध अभियान के तहत दिल्ली में शुरू किए गए 'रेड लाइट आन, गाड़ी आफ' अभियान को जन आंदोलन का रूप देने के लिए दिल्ली सरकार ने कमर कस ली है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि वाहनों के प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार 21 अक्टूबर से 15 नवंबर तक 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान शुरू कर रही है और इस दौरान प्रवर्तन की कार्यवाही नहीं की जाएगी। पहले तीन दिनों तक रेड लाइट पर वाहन चालकों को लाल गुलाब का फूल देकर गांधीगिरी के माध्यम से वाहन बंद करने की अपील करेंगे। राय ने बताया कि अभियान का केंद्र ट्रैफिक पुलिस द्वारा चिंहित दिल्ली के 100 व्यस्त चौराहे होंगे। इसके लिए सरकार 2500 पर्यावरण मॉर्शल नियुक्त कर रही है। उन्होंने बताया कि दो शिफ्ट में चलने वाले अभियान के दौरान हर चौराहे पर 1010 मॉर्शल तैनात होंगे, जबकि आईटीओ समेत 10 सबसे बड़े चौराहों पर दोगुने मॉर्शल तैनात किए जाएंगे। स्थानीय एसडीएम, ट्रैफिक पुलिस के एसीपी और परिवहन विभाग के डीसी (प्रवर्तन) मॉर्शलों पर नजर रखेंगे। साथ ही, दिल्ली के सभी सांसदों, विधायकों, पार्षदों, राजनीतिक दलों, आरडब्ल्यूए, औद्योगिक व सामाजिक संगठनों और एनजीओं को पत्र लिख कर अभियान में शामिल होने की अपील करेंगे। हमें भरोसा है कि यह अभियान देश में एक नया रोल मॉडल खड़ा करेगा।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा

कि दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रदूषण के खिलाफ अभियान शुरू किया है। इसके पहले चरण में हम लोगों ने पूरे दिल्ली के अंदर 'एंटी डस्ट' अभियान चलाया। सरकार ने नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है और आगे भी पूरे दिल्ली के अंदर अगर कोई नियमों का उल्लंघन करता है, तो सरकार इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। पर्यावरण विभाग के साथसाथ डीपीसीसी, पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, डीडीडी एरिगेशन विभाग, प्राइवेट और व्यक्तिगत जितने तरह के निर्माण कार्य चल रहे हैं, उन सभी लोगों से मेरी अपील है कि यह दिल्ली जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है। हम सबको जिम्मेदारी उठाने की जरूरत है। हम नहीं चाहते हैं कि कोई कठोर कदम उठाएं, लेकिन इस कोविड19 के समय में लोगों की जिंदगी बचाने के लिए जब कोई रास्ता नहीं बचता है, तो मजबूरी में हमें सख्त कदम उठाने पड़ते हैं और आगे भी सरकार इससे पीछे नहीं हटेगी। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर पराली को गलाने के लिए बायो डीकंपोजर के छिड़काव का काम तेजी से चल रहा है। हमारी कृषि विभाग की टीमें लगी हुई हैं और गांवों में प्रतिदिन छिड़काव काम चल रहा है। अगले चरण में व्हीकल प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली में पहली बार रेड लाइट पर जलने वाले ईंधन को रोकने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्ली के अंदर 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान लॉन्च किया है। हमने शुक्रवार को सभी संबंधित विभागों के साथ अभियान को जमीन पर उतारने के लिए विस्तार से योजना बनाने के लिए बैठक की थी, जिसमें पर्यावरण विभाग, डीपीसीसी, ट्रैफिक पुलिस, परिवहन और राजस्व विभाग के अधिकारी शामिल हुए थे और हमने अधिकारियों को आज अपना डिटेल एक्शन प्लान सौंपने के निर्देश दिए थे। सभी से बातचीत के बाद यह निर्णय हुआ है कि 21 अक्टूबर से दिल्ली के अंदर 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' यानि लाल बत्ती पर गाड़ी बंद अभियान को हम लोग दिल्ली के अंदर जमीन पर शुरू करने जा रहे हैं। 21 अक्टूबर से 15 नवंबर तक दिल्ली के अंदर जमीन पर यह अभियान जारी रहेगा। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यह जागरूकता अभियान होगा, इसमें प्रवर्तन का कार्य नहीं किया जाएगा। यह पूरी तरह से जागरूकता कार्यक्रम होगा। इसका स्वामित्व दिल्ली के लोगों का होगा, जो दिल्ली के प्रदूषण को लेकर चिंतित हैं, दिल्ली के पर्यावरण को ठीक रखना चाहते हैं, अपने बच्चों की जिंदगी, अपने बुजुर्गों और अपने सांसों के ऊपर जो संकट है, उससे मुक्ति चाहते हैं, उन सब लोगों को अभियान की जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी। यह दिल्ली के दो करोड़ लोगों का अभियान है। हमें स्वेच्छा इस अभियान में हिस्सेदारी करनी है। किसी तरह का कोई भी प्रवर्तन नहीं किया जाएगा। सरकार ने इसे स्वयं भागीदारी के आधार पर आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है।

सेप्टिक टैंकों की सफाई में हो रही मौतों के लिए केजरीवाल सरकार जिम्मेदार: बिधूड़ी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर । दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने राजधानी में बीते करीब 10 दिनों में हुई दो अलग अलग दुर्घटनाओं में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान चार लोगों की मौत और पांच लोगों के घायल होने के लिए अरविंद केजरीवाल सरकार को पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया है और मुख्यमंत्री से मृतकों के परिजनों को तुरंत एकएक करोड़ रुपये तथा घायलों को 5050 लाख रुपये का मुआवजा दिलाने की मांग की है। बिधूड़ी ने कहा बीते 10 अक्टूबर को दक्षिण दिल्ली के बदरपुर क्षेत्र के मोलड़बन्द में सेप्टिक टैंक सफाई के दौरान दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया। दूसरी घटना रविवार को आजादपुर में हुई जिसमें दो लोगों की जान चली गई जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। बिधूड़ी ने

केजरीवाल को आज लिखे एक पत्र में उन्हें दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले सेप्टिक टैंकों की मुफ्त सफाई के लिए दिल्ली सरकार द्वारा शुरू की जाने वाली योजना से संबंधित उनकी घोषणा की याद भी दिलाई है। उन्होंने कहा है कि 15 नवम्बर, 2019 को मुख्यमंत्री ने बाकायदा एक प्रेस वार्ता आयोजित कर ''मुख्यमंत्री सेप्टिक टैंक सफाई योजना'' का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि दिल्ली सरकार सभी अनधिकृत कालोनियों में सेप्टिक टैंकों मशीन से मुफ्त में सफाई कराएगी। इसके लिए शुरुआती तौर पर 80 ट्रकों की तैनाती की जानकारी भी मुख्यमंत्री ने साझा की थी। उन्होंने यह भी बताया था कि इस योजना पर करीब 150 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस योजना के तहत सफाई के लिए सम्पर्क करने हेतु मोबाइल नम्बर भी जारी करने की बात मुख्यमंत्री ने बताई थी। लेकिन सच्चाई यही है कि दिल्ली की सत्ता मिल के बाद उन्होंने इस योजना को लागू करना जरूरी नहीं समझा।

सांसद, विधायक, पार्षद और विभिन्न संगठनों को करेंगे शामिल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 19 अक्टूबर पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि इस अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए दिल्ली के सभी सांसद, सभी विधायक और सभी पार्षदों को भी पत्र लिखा जाएगा।

इन लोगों से संवाद किया जाएगा कि वे भी अपने क्षेत्र में लोगों को जागरूक करें। दिल्ली के राजनीतिक दलों को भी चिट्ठी लिख कर हम अपील करेंगे कि वे और उनके संगठन के लोग इस पूरे अभियान में भाग लें। इसके साथ दिल्ली के सभी आरडब्ल्यूए, मार्केट एसोसिएशन, इको क्लब, औद्योगिक संगठन फिक्की व एसोचैम के साथ पर्यावरण के लिए काम करने वाले एनजीओ, ऑफिसर्स एसोसिएशन और कर्मचारी एसोसिएशन, ट्रेड यूनियन, वर्किंग फोर्स आदि सभी लोगों को सरकार की तरफ से पत्र जाएगा और उन से भी हमारी अपील है कि आप अपने संगठन के माध्यम से भी 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ यानि लालबत्ती पर गाड़ी बंद करने के अभियान में भाग लें। क्योंकि जो भी

लोग बाइक, कार, ट्रक, ऑटो या बस लेकर सड़क पर उतरते हैं, वो सभी लोग जब सामूहिक प्रयास करेंगे, तो दिल्ली में वाहन प्रदूषण को 15 से 20 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। इसलिए इस पूरे अभियान को एक जन आंदोलन बनाने की तरफ सरकार बढ रही है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि इस अभियान में हम स्कूली बच्चों को भी शामिल करेंगे। दिल्ली में अभी ऑनलाइन क्लास चल रही है, इसलिए हम शिक्षकों के माध्यम से ऑनलाइन क्लास लेने वाले बच्चों को जागरूक करने का काम करेंगे, ताकि वे अपने परिवार में या कहीं जा रहे हैं, तो लोगों को जागरूक कर सकें। उन्होंने बताया कि पहली बार जब हम लोगों ने दिल्ली में ऑडईवन स्कीम लागू की थी, उसमें बच्चों ने सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लोग अगर घरों से ऑड वाले दिन ईवन नंबर की गाड़ी लेकर निकलते थे, तो बच्चे उनको याद दिला देते थे कि आज दूसरी गाड़ी का नंबर है और वे चाबी ले लेते थे। हम बच्चों को भी ऑनलाइन क्लासेज के माध्यम से अभियान में शामिल करने की तरफ बढ़ेंगे। इस तरह 21 अक्टूबर से अभियान को जमीन पर पूरी तरह से शुरू करने जा रहे हैं। साथ ही साथ जागरूकता के लिए बड़े पैमाने पर हम लोग मीडियम, विज्ञापन और एफएम के माध्यम से इस अभियान को आगे बढ़ाएंगे। हमें भरोसा है कि रेड लाइट अभियान देश के अंदर एक नया रोल मॉडल खड़ा करेगा, जिसमें बिना किसी के तकलीफ के सिर्फ अपना व्यवहार बदलकर हम अपने आदत को बदलते हैं, तो पीएम 2.5 में जो सबसे बड़ी भूमिका वाहन प्रदूषण का होता है, उसने भी कमी करने में हम सफल होंगे।

दिल्ली हिंसा: हाईकोर्ट ने मीडिया संगठन को दिया सूचना का स्रोत बताने का मौका

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (वेबवार्ता)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को दिल्ली हिंसा के मामले में जेल में बंद जामिया यूनिवर्सिटी के छात्र की उसके बारे में सूचनाएं लीक करने की जांच करने की मांग पर सुनवाई करते हुए एक मीडिया संगठन को सूचना का स्रोत बताने का एक मौका दे दिया है। जस्टिस विभू बाखरु ने मीडिया संगठन की उस मांग को खारिज कर दिया कि वो सीलबंद लिफाफे में इसकी जानकारी देगा कि किस पत्रकार ने ये जानकारी हासिल की। सोमवार को सुनवाई के दौरान संबंधित मीडिया संगठन ने कोर्ट से कहा कि वो सीलबंद लिफाफे में ये बताएगा कि किस पत्रकार ने आसिफ इकबाल तान्हा के बारे में सूचनाएं हासिल की थी। इस दलील को कोर्ट ने ठुकराते हुए कहा कि आप हलफनामा दायर कर सूचना का स्रोत बताएं। पिछले 15 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने संबंधित मीडिया संगठन से सूचना का स्रोत बताने को कहा था। पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट से दिल्ली पुलिस ने कहा था कि उसने ये सूचनाएं लीक नहीं की थीं। वो भी इस बात से चिंतित है कि आरोपी के बारे में सूचनाएं लीक की गई हैं क्योंकि इससे जांच पर असर पड़ता है। पिछले 24 अगस्त को कोर्ट ने दिल्ली पुलिस समेत मीडिया संगठनों को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने इस मामले में दो मीडिया संगठनों के अलावा सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक और यू ट्यूब को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

यात्रियो ने मास्क पहना है या नहीं, उबर ने सत्यापन के लिए फीचर पेश किया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर । ऐप आधारित टैक्सी सेवा देने वाली कंपनी उबर ने कहा है कि उसके जिन यात्रियों ने अपनी पिछली यात्रा के दौरान मास्क नहीं पहना था, उन्हें आगे कैब बुक करने के लिए मास्क पहने सेल्फी दिखानी होगी।

उबर ने कहा कि इस नए फीचर से कैब चालकों से मिली जानकारी के आधार पर अगले यात्री के लिए यात्रा को सुरक्षित किया जा सकेगा। इससे पहले उबर ने इसी साल एक प्रौद्योगिकी तैयार की थी जिससे पता चलता है कि उसके चालकों ने वाहन चलाते समय मास्क पहना है या नहीं। इसके लिए चालकों को मास्क पहने सेल्फी लेनी होती है। बयान में कहा गया है कि मई, 2020 में चालकों की मास्क सत्यापन सेल्फी शुरू किए

जाने के बाद से देशभर में 1.74 करोड़ से अधिक सत्यापन किए जा चुके हैं। उबर इंडिया एसएस के प्रमुख (आपूर्ति एवं चालक परिचालन) पवन वैश्य ने कहा, ''हमारा मानना है कि जवाबदेही दोनों तरफ से होनी चाहिए। पहले हमने प्रौद्योगिकी के जरिये यह सुनिश्चित किया था कि चालकों ने वास्तव में मास्क पहना है या नहीं। अब हम इसी तरह की प्रौद्योगिकी उन यात्रियों के लिए लाए हैं, जिन्होंने पिछली यात्रा के दौरान मास्क नहीं पहना था।''

बदले बदले से हैं रामलीलाओं के नजारे, गायब है रौनक

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर । कोरोना काल के चलते यमुनापार में राम लीलाओं के नजारे बदलेबदले से हैं। कई स्थानों पर रामलीला तो अवश्य हो रही है लेकिन न तो रौनक है और ना ही लोगो में उत्साह। इसे महामारी का भय मानें या प्रसाशन की सख्ती। एक तो रामलीला देखने लोग कम पहुंच रहे हैं दूसरे प्रसाशन की सख्ती के चलते अनेक लोग बिना लीला देखे वापस भी लौट रहे हैं। सीमित संख्या तय होने के बाद रामलीला स्थलों पर गत वर्षों रहने वाली रौनक गायब है। शाहदरा की पुरानी रामलीला जो की सर्कुलर रोड पर होती है के प्रधान राजेन्द्र पाल नें बताया प्रशासन द्वारा दिए गये तमाम निर्देशों का पालन करते हुए भगवान श्री राम की लीला का मंचन किया जा रहा है। वे बताते हैं लोग भी हमें सहयोग भी कर रहे है। रामलीला कमेटी पास सनातन धर्म मंदिर रामलीला मैदान नया सीलमपुर मे आज रामलीला का शुभ आंरभ हुआ चैयरमेन रामभज अग्रवाल नें आरती की जौत जला कर पुजा की तथा रामलीला की सभी पदाधिकारी यो अपनी उपस्थिति दर्ज कर श्री राम की लीला का आनंद लिया। शास्त्री पार्क के मंच पर सुबाहु वध,सीता स्वयंवर,लक्ष्मण परशुराम सम्वाद का सुंदर मंचन किया गया जिसमें प्रधान ठाकुर प्रेमपाल सिंह चेयरमैन हरीश चैधरी,प्रमुख संरक्षक राजमणि मिश्रा नरेश अग्रवाल काशी अग्रवाल अनेश बंसल, दिवाकर पाण्डेय,व सभी पदाधिकारी सोशल डिस्टनसिंग के साथ मौजूद रहे।

समाज को नफरत और चारित्रिक पतन के खिलाफ खड़ा करने में भूमिका निभाए कला-संस्कृति

स्कूलों में थिएटर शिक्षा लागू करे दिल्ली सरकार: मनोज वाजपेयी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर । उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा है कि समाज को नफरत और चारित्रिक पतन के खिलाफ खड़ा करने में कला और संस्कृति को अपनी भूमिका निभानी होगी। आज के दौर में हिंसा और नफरत बढ़ रही है तथा चौतरफा पतन दिख रहा है।

ऐसे में कला संस्कृति का सार्थक योगदान हो, इसके लिए दिल्ली सरकार एक समग्र सांस्कृतिक नीति बना रही है। सिसोदिया ने आज यह बात दिल्ली सांस्कृतिक नीति सलाहकार समिति की पहली ऑनलाइन बैठक में कही। उन्होंने कहा कि सच को सच कहने की सबसे ज्यादा ताकत कला संस्कृति में ही है और हम इस सांस्कृतिक नीति के जरिए शहर के सोचने का मिजाज बदलना चाहते हैं।

सिसोदिया ने चर्चित नाटक मसखरा मौलियर का उदाहरण दिया। इसमें मसखरा कहता है कौन रोकेगा मुझे, अगर हंसतेहंसते सच कह जाऊं तो? सिसोदिया ने कहा कि हम दिल्ली में ऐसा सांस्कृतिक माहौल बनाना चाहते हैं, जहां हर दिन कुछ अच्छी गतिविधियां हों।

जिस तरह लोग अपने मेहमानों को सिनेमा घर और रेस्टोरेंट ले जाते हैं, उसी तरह अब दिल्ली के लोगों के पास सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जाने के कई विकल्प होंगे। बैठक में अभिनेता मनोज वाजपेयी ने कहा कि लंबे

समय से मेरा सपना है कि अगर किसी सरकार से नजदीकी रिश्ता हो, तो स्कूलों में थिएटर की शिक्षा लागू करने की सलाह दूं। वाजपेयी ने स्कूलों के साथ ही स्लम और चौराहों के बच्चों को भी थियेटर शिक्षा के माध्यम से मुख्यधारा में लाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पेरिस में हर चौक चौराहे और मेट्रो के समीप तरह तरह के नृत्य संगीत के कार्यक्रम होते रहते हैं। वाजपेयी ने दिल्ली में भी कलाकारों को कला प्रदर्शन के लिए जगह मुहैया कराने का सुझाव दिया ताकि दिल्ली को सांस्कृतिक राजधानी के तौर पर और ऊपर लाया जा सके। बैठक में सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सबकी है, इसलिए दिल्ली में पूरे देश का सांस्कृतिक माहौल दिखना चाहिए। कश्मीर या बिहार या किसी अन्य राज्य की सरकार अपने राज्य की भाषा और संस्कृति पर केंद्रित रह सकती है, लेकिन दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी होने का गौरव है। इसलिए देश के जिस भी हिस्से के लोग यहाँ आते हों, उन्हें यहाँ अपनी संस्कृति की झलक दिखाई पड़े। दिल्ली को कला और संस्कृति का जीवंत केंद्र बनाने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है। सिसोदिया ने कहा कि यह एक बड़ा सपना है। इसे साकार करने के लिए एक सांस्कृतिक नीति बनाई जा रही है। इसके लिए दिल्ली सरकार के कला संस्कृति और भाषा विभाग ने पंद्रह सदस्यीय समिति सलाहकार समिति बनाई है। यह दो माह के भीतर अपनी रिपोर्ट देगी।

सलाहकार समिति में कला संस्कृति की हस्तियों एवं विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। इनमें अभिनेता मनोज वाजपेयी और जावेद जाफरी, कला नीति विशेषज्ञ पूजा सूद, जेएनयू के स्कूल ऑफ आर्ट्स और सौंदर्यशास्त्र की प्रोफेसर ईरा भास्कर शामिल हैं। साथ ही, दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट के प्रिंसिपल अश्विनी कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता विनीत नागर, लोक नृत्यांगना बीना व्यास भी समिति में शामिल हैं। इसी तरह, संगीत प्रोड्यूसर बृन देसाई, कला विशेषज्ञ अभिनंदिता दयाल माथुर, कलाकार एवं शोधकर्ता भगवती प्रसाद एवं लतिका गुप्ता, कलाकार एवं शिक्षाविद आस्था चौहान को सदस्य बनाया गया है।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी—155370
सीआईएसएफ—22185555
दिल्ली पुलिस—1091
दिल्ली सरकार—181
कहीं भी—कभी भी—1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता®
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

व्हाट्सएप पर अश्लील संदेश भेजकर महिला का उत्पीड़न करने का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली । व्हाट्सएप पर महिला को अश्लील संदेश भेजकर उत्पीड़न करने के 28 वर्षीय आरोपी को पुलिस ने गुजरात के तापी से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी से अश्लील संदेश भेजने वाले की पहचान गुजरात के तापी निवासी लाड आशीष के तौर पर हुई जो एक कार कंपनी में बिक्री कार्यकारी के तौर पर काम करता है। पुलिस ने बताया कि मामला तीन जुलाई को उस समय सामने आया जब महिला ने हौज खास पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई और आरोप लगाया कि एक व्यक्ति व्हाट्सएप पर अश्लील संदेश भेज रहा है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 354 और धारा354ए के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। दक्षिण दिल्ली के पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया, ''फोन कॉल का विश्लेषण करने पर पता चला कि मोबाइल नंबर मई के महीने से ही बंद है लेकिन नंबर पर व्हाइटएप का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''इस नंबर पर तकनीकी जानकारी हासिल करने के लिए व्हाट्सएप को नोटिस भेजा गया जिसके बाद कई लोगों की जांच की गई और पता चला कि इस फोन नंबर का संबंध गुजरात के तापी निवासी आशीष से है।''

कांस्टेबल हत्या के मुख्य आरोपी को जमानत से इंकार

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने राजधानी में हुए दंगे के दौरान हेड कांस्टेबल रतन लाल की हत्या के मुख्य आरोपियों में एक शादाब अहमद को सोमवार को जमानत देने से साफ इंकार कर दिया। लाल की हत्या गत 24 फरवरी को उस समय कर दी गयी थी जब दंगा भड़कने के बाद वह अपने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ गश्त कर रहे थे। न्यायाधीश विनोद यादव ने 15 पन्नों के विस्तृत आदेश में शादाब की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। इसका आधार उन्होंने तीन फरवरी से 24 फरवरी के बीच शादाब के संपर्कों को बनाया। दिल्ली अपराध शाखा के दयालपुर थाना में दर्ज प्राथमिकी में शादाब को मुख्य आरोपी बनाया गया है। न्यायाधीश यादव ने कहा कि उक्त अवधि के दौरान शादाब फरार आरोपियों जैसे उपासना, अतहर, तबस्सुम और सलीम खान के लगातार संपर्क में था। उन्होंने कहा, एक अजीब बात यह भी ध्यान देने योग्य है कि हेड कांस्टेबल रतन लाल की हत्या के समय या उसके आसपास याचिकाकर्ता की लोकेशन का पता उसके मोबाइल फोन से चलता है और इस दौरान उसे तीन बार फोन भी किया था और अब यही आदमी उसका केस लड़ रहा है। न्यायाधीश ने आगे कोई भी परामर्श देने से इनकार करते हुए कहा, यह एक संयोग हो सकता है, लेकिन महत्व के बिना नहीं। नैतिकता की दृष्टि से एक वरिष्ठ वकील के लिए उचित है कि वे मामले में ऐसे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करें।

कोरोना महामारी के प्रोटोकॉल पर निर्भर करेगी अगले साल हज यात्रा

केंद्र सरकार ने बुलाई हज-2021 के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 19 अक्टूबर केंद्र सरकार ने हज 2021 के संबंध में सोमवार को समीक्षा बैठक की। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने की।

इस मौके पर कहा कि हज 2021 जूनजुलाई के महीने में होना है, पर कोरोना आपदा और उसके प्रभाव की संपूर्ण समीक्षा और सऊदी अरब सरकार एवं भारत सरकार के लोगों की सेहत, सुरक्षा के मद्देनजर दिशानिर्देशों को प्राथमिकता देते हुए हज 2021 पर अंतिम फैसला लिया जायेगा। इस हिसाब से पैंडेमिक पोजीशन के मद्देनजर राष्ट्रीयअंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल गाइडलाइन्स पर निर्भर करेगा। बैठक में केंद्रीय मंत्री नकवी ने कहा कि हज कमेटी ऑफ इंडिया, अन्य भारतीय एजेंसियों द्वारा हज 2021 के लिए आवेदन प्राप्त करने एवं अन्य तैयारियां जल्द शुरू कर दी जाएंगी। सऊदी अरब सरकार की तरफ से हज 2021 के संबंध में फैसले के बाद आवेदन करने और अन्य प्रकिया को लेकर औपचारिक घोषणा की जाएगी।

नकवी ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए हज व्यवस्थाओं में बड़े पैमाने पर परिवर्तन आ सकता है। इनमें भारत एवं सऊदी अरब में आवास, यातायात, स्वास्थ्य एवं अन्य व्यवस्थाएं शामिल हैं।

हज व्यवस्थाओं में बड़े पैमाने पर परिवर्तन आ सकता है: नकवी

नकवी ने कहा कि कोरोना के चलते हज यात्रियों की सेहत सलामती सरकार की प्राथमिकता है। भारत सरकार एवं अन्य सम्बंधित एजेंसियां इस दिशा में आवश्यक इंतजाम करेंगी। सरकार एवं हज कमेटी ने इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी है। नकवी ने कहा कि भारत की शत प्रतिशत डिजिटल हज व्यवस्था का नतीजा है कि कोरोना के चलते हज 2020 पर ना जा पाने वाले 1 लाख 23 हजार लोगों के 2100 करोड़ रूपए बिना किसी कटौती के डीबीटी के माध्यम से वापस कर दिए हैं। सऊदी अरब सरकार ने भी 2018 19 का हज यात्रियों के यातायात का लगभग 100 करोड़ रूपए वापस किया है।

नकवी ने कहा कि इसके अलावा पिछले 3 साल के दौरान हज यात्रियों का लगभग 514 करोड़ सरप्लस पैसा भी कोरोना काल में वापस किया गया है। भारत में शत प्रतिशत डिजिटल हज व्यवस्था का परिणाम है कि आपदा काल में भी पैसे सीधे खाते में भेजे गए जो कि हज प्रक्रिया के इतिहास में पहली बार है। हज 2021 समीक्षा बैठक में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के सचिव पी. के. दास एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी, विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव विपुल, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के संयुक्त सचिव एस के मिश्रा उपस्थित रहे। इसके अलावा, सऊदी अरब में भारत के राजदूत डा. औसाफ सईद, जेद्दा में भारत के एक्टिंग कौंसल जनरल वाई साबिर, हज कमेटी ऑफ इंडिया के सीईओ एम. ए. खान एवं स्वास्थ्य विभाग, एयर इंडिया आदि विभागों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये इस बैठक में शामिल हुए।

यूनियन बैंक के ई-नीलामी में उत्साहजनक परिणाम

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने लॉकडाउन के बावजूद गैरनिष्पादित खातों की चल एवं अचल संपत्तियों की ई नीलामी कर अब तक 300 से अधिक असल संपत्तियों की नीलामी कर चुका है। बैंक ने आज यहां जारी बयान में कहा कि निष्पक्ष एवं पारदर्शी सार्वजनिक ईनीलामी प्रक्रिया के माध्यम से प्रतिस्पर्धी दरों पर वाणिज्यिक परिसर,फ्लैट, स्वतंत्र आवास, खाली प्लॉट, औद्योगिक इकाइयों की अचल संपत्तियों के मासिक मेगा ईनीलामी का सफल आयोजन किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, बैंक ने जुलाई, 2020 से वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत संरक्षित परिसंपत्तियों मुख्य रूप से अचल संपत्तियों की बिक्री की प्रक्रिया सफलतापूर्वक शुरू की है ।

कोविड-19 को प्रभावी ढंग से काबू किया जा रहा है, संक्रमण दर आठ प्रतिशत के कम: सरकार

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर । केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि भारत में कोरोना वायरस संक्रमण की दर चैथे दिन भी आठ प्रतिशत से नीचे रही, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि संक्रमण फैलने की दर को प्रभावी ढंग से काबू में किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि देशभर में व्यापक जांच के चलते ऐसा हो पाया है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि देश में संक्रमण की दर 7.94 प्रतिशत है और इसमें लगातार गिरावट हो रही है। बयान में कहा गया है, ''सबूत से यह उजागर हुआ है कि व्यापक स्तर पर जांच किये जाने से संक्रमण की दर कम हो रही है। संचयी संक्रमण दर नीचे आने से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसे प्रभावी ढंग से काबू किया जा रहा है।'' मंत्रालय ने कहा, ''सभी जगह ज्यादा जांचें किये जाने से संक्रमण के मामलों का जल्द पता लगाने में में मदद मिल रही है। इससे गंभीर रूप से संक्रमित लोगों का पता लगाकर उन्हें घरों, पृथक केन्द्रों और अस्पतालों में समय पर और प्रभावी इलाज मिल रहा है। इस तरह मृत्युदर भी कम हो रही है।'' बयान के अनुसार अब तक 9.5 करोड़ से अधिक लोगों की कोरोना वायरस जांच की जा चुकी है। अक्टूबर के तीसरे सप्ताह तक संक्रमण की दैनिक औसत दर 6.13 प्रतिशत है। मंत्रालय ने कहा, ''यह केन्द्र सरकार की जांच कराने, संक्रमितों का पता लगाने, इलाज कराने और कारगर तकनीकी रणनीति का परिणाम है, जिसका राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश प्रभावी ढंग से अनुसरण कर रहे हैं।'' मंत्रालय के बयान के अनुसार देश में इलाज करा रहे कोविड19 रोगियों की संख्या भी तेजी से कम हो रही है। सोमवार को लगातार तीसरे दिन रोगियों की संख्या आठ लाख से कम रही। मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक के आंकड़ों के अनुसार देश में अब भी 7,72,055 लोगों का इलाज चल रहा है, जो संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या का 10.23 प्रतिशत हैं। मंत्रालय ने का कि ठीक हो चुके लोगों की कुल संख्या बढ़कर 66,63,608 हो गई है। बयान में कहा गया है कि कल 66,399 लोग संक्रमण से उबरे और 55,722 और लोग संक्रमित पाए गए। देश में संक्रमण से उबरने की दर 88.26 प्रतिशत है।

पर्यावरण के लिए अनुकूल प्रीमियम सीमेंट मंगलम प्रोमैक्स बाजार में

नई दिल्ली । सीमेंट बनाने वाली कंपनी मंगलम सीमेंट लिमिटेड ने पर्यावरण के अनुकूल प्रीमियम सीमेंट मंगलम प्रोमैक्स को लाँच करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि सामाजिक रूप से जिम्मेदार कॉर्पोरेट की छवि रखने वाली मंगलम सीमेंट ने अपने हर कार्यक्रम और प्रयास में सामाजिक आयाम को अहम् स्थान देते हुए जल कम जलन कम, उत्तम शिक्षा पहल, उत्तम आर्किटेक्ट अवार्ड जैसे सामाजिक सरोकारों पर आधारित प्रयासों के जरिये देश की सीमेंट इंडस्ट्री में वैचारिक नेतृत्वकर्ता की पहचान बनायी है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की श्रृंखला आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने देश में संभवतया पहली बार पर्यावरण के अनुकूल प्रीमियम सीमेंट मंगलम प्रोमैक्स को लॉच किया है। अंशुमन जालान ने इस सीमेंट का अनावरण करते हुए कहा की उन्हें विश्वास है की मंगलम प्रोमैक्स आधुनिक निर्माण की सभी जरूरतों को पूरा करने के साथ साथ सभी की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगी ।

दिल्ली में कोरोना रिकवरी दर में फिर से सुधार

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर । राजधानी में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 2,154 नये मामले सामने से संक्रमितों की कुल संख्या 3.33 लाख के पार पहुंच गयी लेकिन राहत की बात यह है कि इस दौरान मरीजों के स्वस्थ होने की दर में वृद्धि दर्ज की गयी है जिससे सक्रिय मामलों में कमी आई है।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार राजधानी में संक्रमितों की संख्या 3,33,171 हो गई। इस दौरान 2,845 और मरीजों के स्वस्थ होने से अब तक कुल 3,04,561 लोग कोरोना वायरस को मात दे चुके हैं। इसके साथ ही कोरोना मरीजों के स्वस्थ होने की दर बढ़कर 91.41 फीसदी पहुंच गयी जो रविवार को 91.14 प्रतिशत थी।

इसी अवधि में कोरोना संक्रमण से 31 और मरीजों की मौत होने से इस महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 6,040 हो गयी है।

दिल्ली में पिछले 24 घंटों में 36,445 लोगों जांच की गई और

इसमें पॉजिटिव दर 5.91 प्रतिशत रही। यहां वायरस के कुल 40,26,883 नमूनों की जांच की जा चुकी है।

राजधानी में प्रति 10 लाख पर जांच का औसत आंकड़ा 2,11,941 लाख है। दिल्ली में कुल जांच में पाजिटिव दर 8.27 प्रतिशत पाई जा रही है।

चिंता की बात यह है कि नये मामलों की तुलना में स्वस्थ लोगों की संख्या अधिक होने से सक्रिय मामलों में कमी दर्ज की गयी है। राजधानी में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 722 और घट कर आज 22,570 रह गयी जो रविवार को 23,292 थी। इनमें से होम आइसोलेशन में 14,164 हैं। दिल्ली में कोरोना से मृत्यु दर 1.81 प्रतिशत है।

सेना का खर्च घटाने के प्रस्ताव पर कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (वेबवार्ता)। कोरोना समस्या और लॉकडाउन के बाद देश की गिरती अर्थव्यवस्था को लेकर सरकार खर्चे कम करने की नीति पर काम कर रही है। इस क्रम में भारत सरकार सेना के खर्च में भी कटौती करने की योजना बना रही है। सरकार के इस फैसले को लेकर कांग्रेस ने तीखी आलोचना की है। उसने पूछा है कि सेना के खर्च में कटौती कर मोदी सरकार देशभक्ति का कौन का प्रतिमान स्थापित करना चाहती है। देश के आर्थिक स्थिति को देखते हुए खर्च कम करने की दिशा में सरकार द्वारा सेना का खर्च घटाने का प्रस्ताव लाने पर कांग्रेस ने निशाना साधा है। पार्टी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से लिखा है कि 'सेना और सैनिक देश की शान हैं। मोदी सरकार सेना के खर्च में कटौती करके देशभक्ति का कौनसा प्रतिमान स्थापित कर रही है? भाजपा सरकार न सेना के जवान की है और न ही खेत में खड़े किसान की।' दरअसल, एक अंग्रेजी अखबार ने भारत सरकार द्वारा खर्च घटाने की प्रक्रिया को लेकर एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। जिसमें कहा गया है कि सरकार ने सेना का 'खर्च घटाने' और 'संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल' के लिए कई बदलावों का प्रस्ताव रखा है। इन प्रस्तावों में 15 जनवरी (थल सेना दिवस) को होने वाले आर्मी डे समारोह को बंद करने, नौ अक्टूबर को होने वाली अलग अलग रेजीमेंट्स की परेड को बंद करने, सैन्य अधिकारियों के लिए निजी मेस बंद करने तथा पीस स्टेशन यूनिट्स में सीएसडी कैंटीन बंद करने जैसे सुझाव दिए गए हैं। ये सुझाव सेना की आंतरिक व्यवस्था की समीक्षा के मद्देनजर तैयार की गई एक रिपोर्ट का हिस्सा हैं। इस रिपोर्ट का शीर्षक 'ऑप्टिमाइजेशन ऑफ मैनपावर ऐंड रिसोर्सेजः रिव्यू ऑफ प्रैक्टिसेज ऐंड फेसिलिटीज इन आर्मी' है।

तकनीखी खामी से मेट्रो ट्रेनों की रफ्तार पर नहीं लगेगा ब्रेक

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर । दिल्ली मेट्रो रेल निगम की ट्रेनों अब ब्रेकडाइउन जैसी तकनीकी खामियों को दूर करने के साथ मेट्रो के सिग्नलिंग सिस्टम को दुरुस्त रखने की भी कवायद पर तेजी से काम हो रहा है।

मेट्रो ट्रेनों के संचालन के दौरान सिग्नल सिस्टम ठीक तरह से काम कर या नहीं अथवा सिग्नल में आई खराबी को कैसे जल्द ठीक किया जाए? इस पर डीएमआरसी का मंथन जारी है। इस समस्या पर काबू पाने के लिए डीएमआरसी ने सेंसर बेस्ड रिमोट हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम को लगाएगा। इस पर तेजी से काम चल रहा है। इसी सबसे सबसे बड़ी विशेषता यही होगी कि कंट्रोल रूम से ही मेट्रो लाइनों पर लगे सभी सिग्नल्स की निगरानी की जा सकेगी। इसी के साथ कंट्रोल रूम से ही यह भी पता किया जा सकेगा कि मेट्रो के किस रूट पर और किस जगह पर सिग्नल में तकनीकी खामी आई है। सबसे पहले मजेंटा लाइन पर लगेगा सिस्टमः दिल्ली मेट्रो के अधिकारियों की मानें तो सेंटर बेस्ड रिमोट हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने के लिए डीएमआरसी ने टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। एक अनुमान के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट पर कुल डेढ़ करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इस दौरान इस पूरे प्रोजेक्ट में तकरीबन साल भर का समय लगेगा। माना जा रहा है कि अगले साल के अंत में यह सिस्टम काम करना प्रारंभ कर देगा। यह भी जानकारी मिल रही है कि रिमोट हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टमसबसे पहले जनकपुरी वेस्ट से बॉटनिकल गार्डन के बीच बनी मेट्रो की मजेंटा लाइन पर लगाया जाएगा। 24 घंटे होगी मॉनिटरिंगः मेट्रो अधिकारियों की मानें तो रिमोट हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम से कंट्रोल रूम में बैठेबैठे ही चैबीसों घंटे सिग्नलों की निगरानी की जा सकेगी।

ईडी 113 करोड़ के घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला से कर रहा पूछताछ

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (वेबवार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) आज जम्मूकश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन घोटाले के सिलसिले में नेशनल कॉन्फ्रेंस के संरक्षक फारूक अब्दुल्ला से पूछताछ कर रहा है। यह पूछताछ श्रीनगर स्थित ईडी कार्यालय में की जा रही है।

घोटाले में करीब 113 करोड़ की हेराफेरी की गई है और उस वक्त फारूक अब्दुल्ला जम्मूकश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष थे। उल्लेखनीय है कि जम्मूकश्मीर क्रिकेट संघ में हुए करोड़ों का यह घोटाला मामला काफी पुराना है। पहले इसकी जांच जम्मूकश्मीर पुलिस कर रही थी। बाद में इसे अदालत के आदेश पर सीबीआई को सौंप दिया गया। सीबीआई ने जांच में पाया कि बीसीसीआई ने 2002 से 2012 के बीच जम्मू कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन को राज्य में खेल को बढ़ावा देने के लिए 113 करोड़ रुपये दिए थे, लेकिन इस फंड को पूरी तरह खर्च नहीं किया गया, बल्कि इसमें से 43.69 करोड़ रुपये से ज्यादा का गबन कर लिया गया। उसके बाद इस पूरे मामले को मनी लॉन्ड्रिग से जोड़ा गया और अब ईडी बैंक डॉक्यूमेंट्स के आधार पर फारूक से पूछताछ कर रहा है। सोमवार से पहले भी ईडी नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद व पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला से इस मामले में सवालजवाब कर चुका है। उनके अलावा इस मामले में एसोसिएशन के तत्कालीन महासचिव मोहम्मद सलीम खान, तत्कालीन कोषाध्यक्ष अहसान अहमद मिर्जा और जम्मू कश्मीर बैंक का एक कर्मचारी बशीर अहमद मिसगर आरोपी हैं। फारूक ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस पर सवाल उठाया था।

सरकार का बड़ी कंपनियों को निर्देश, छोटे उद्योगों का बकाया जल्द से जल्द चुकाओ

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (वेबवार्ता)। सरकार ने त्योहारी सीजन को देखते हुए देश में सार्वजनिक क्षेत्र की 2800 से ज्यादा बड़ी कंपनियों को छोटे उद्योगों का बकाया चुकाने के निर्देश दिए हैं और कहा है कि पांच महीनों को छोटे कारोबारियों को 13 हजार 400 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि बड़ी कंपनियों को छोटे उद्योगों की बकाया रकम का भुगतान करने के लिए पत्र लिखा गया है। पत्र में कहा गया है कि छोटे उद्योगों से संबंधित एमएसएमई विकास कानून 2006 के कानूनी प्रावधानों के अनुसार छोटे उद्योगों को 45 दिनों के अंदर ही भुगतान किया जाना जरूरी है। इसी के अनुरूप नियमों के तहत उद्योगों को एक अर्द्धवार्षिक रिटर्न भी जमा करना होगा, जिसमें बकाए के बारे में जानकारी होगी।

मंत्रालय ने इस संबंध में ध्यान देने और जरूरी कार्रवाई करने को कहा है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय ने 2800 से ज्यादा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों को पत्र भेजकर उनसे छोटे उद्योगों के बकाए का भुगतान करने के लिए कहा है। पिछले महीने मंत्रालय ने 500 शीर्ष कंपनियों को बकाए के भुगतान के लिए पत्र भेजा था। पिछले पांच महीनों में छोटे उद्योगों को सर्वाधिक भुगतान सितंबर 2020 में मिला है। इस अवधि में सितंबर महीने तक खरीद और कारोबार भी सर्वाधिक हुआ।

पिछले पांच महीनों में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों ने ही 13,400 करोड़ रूपये से ज्यादा का भुगतान किया। इसमें से 3700 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान मात्र सितंबर में किया गया। मंत्रालय ने दोहराया कि सरकार चाहती है कि छोटे उद्योगों को उनका देय भुगतान समय पर किया जाए। इस संदर्भ में आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत की गई घोषणा की ओर भी ध्यान आकर्षित किया गया है। मंत्रालय ने कहा है कि छोटे उद्योगों को समय पर भुगतान कराने के लिए सरकार ने कई कदम उठायें हैं। इस समय छोटे उद्योगों को किया गया भुगतान लाखों घरों और करोड़ों चेहरों पर मुस्कान लाने में बहुत मददगार साबित हो सकता है। मंत्रालय ने कहा कि यह लघु उद्योगों को आगामी त्यौहारी सत्र के दौरान व्यावसायिक अवसरों का लाभ उठाने में मदद करेगा।

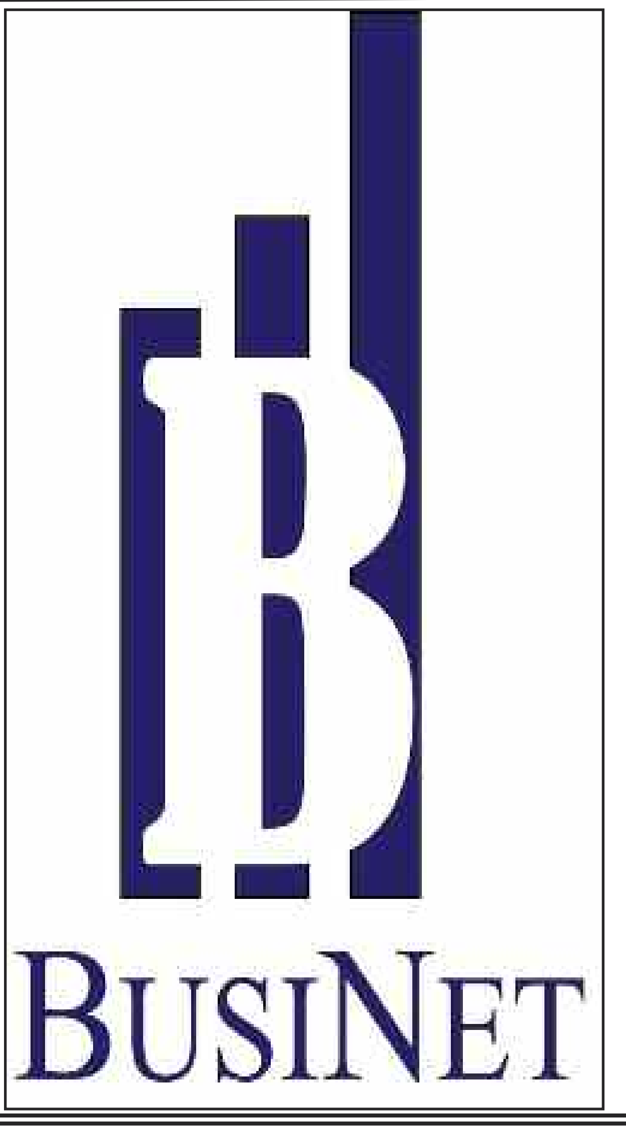

संपादकीय

उत्तर प्रदेश में दलितों को अपने साथ बनाये रखने को हर प्रयास कर रही योगी सरकार

उत्तर प्रदेश की सियासत में इस समय दलितों को लेकर जबर्दस्त गोलबंदी चल रही है। सभी दलों के नेता, दलितों को अपने पाले में खींचने के लिए एड़ीचोटी का जोड़ लगाए हुए हैं। खासकर कांग्रेस और यूपी में पैर पसारने की कोशिश में लगी 'आम आदमी पार्टी' दलितों को लेकर कुछ ज्यादा ही एक्टिव है। विपक्ष ऐसे सभी मुद्दों को हवा देने में लगा रहता है जिससे दलित वोटरों को प्रभावित किया जा सकता हो। विपक्ष चाहता है कि पिछले तीन चुनावों से भाजपा के साथ खड़े दलित वोटरों को 'सामदामदंड भेद' किसी भी तरह से भाजपा के आभामंडल से बाहर निकाल कर लाया जाए। विपक्षी सियासत से सतर्क योगी सरकार एक पोर्टल बनाने जा रही है, जिससे दलित उत्पीड़न के शिकार लोगों को समय पर मुआवजा आदि दिया जा सकेगा। भाजपा नहीं चाहती है कि पिछले दो लोकसभा और एक विधानसभा चुनाव में भाजपा के साथ खड़े रहे दलित वोटर किसी और के पाले में जाए।

भारतीय जनता पार्टी ने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव और 2017 के विधानसभा चुनाव में दलित वोटों को प्रभावित किया, लेकिन पिछले कुछ समय से उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के लिए उस आकर्षण को बचाए रखना टेढ़ी खीर साबित हो रहा है, जिसके बल पर नरेन्द्र मोदी ने देश की सियासत बदल दी थी। हाँ, पूरे घटनाक्रम में दलितों को लेकर बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती की चुप्पी जरूर किसी के समझ नहीं आ रही है, जिनको आज की तारीख में भी दलितों का सबसे बड़ा नेता माना जाता है। करीब तीन दशकों से दलित बसपा का कोर वोटर है। प्रदेश में कांग्रेस के सिकुड़ते जनाधार के बीच करीब तीन दशक पूर्व दलित बसपा के साथ चले गए थे। एक अनुमान के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में करीब 22 फीसदी आबादी दलितों की है और प्रदेश की राजनीति में दलित जातियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य की सियासत में 1950 से 1990 तक दलित राजनीति कई दौर से गुजरी है। दलितों को सरकारी नौकरियों, शिक्षण संस्थाओं में आरक्षण मिला और राजनीतिक संस्थाओं में संरक्षण। दलित नेतृत्व भी उभर कर आया। भूमि सुधारों और कल्याणकारी कार्यक्रमों से दलित जातियां आर्थिक रूप से लाभान्वित हुईं। आर्थिक उत्थान ने उन्हें (दलितों को) राजनीतिक रूप से सशक्त बनाया। इससे पूर्व तक उत्तर प्रदेश की दलित जातियों में पारंपरिक रूप से राजनीति में भागीदारी और राजनीतिक जागरूकता काफी कम रही। बसपा के दलित चिंतक मान्यवर कांशीराम का तो राजनीति में दलितों की भागीदारी को लेकर बिल्कुल साफ दृष्टिकोण था। वह कहा करते थे, 'जितनी जिसकी भागीदारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी।' इससे पूर्व उपनिवेशवादी काल में उत्तर प्रदेश में दक्षिण और पश्चिम भारत की तरह ब्राह्मण विरोधी आंदोलन नहीं हुआ। आजादी के तुरंत बाद दलितों के एक अभिजात्य वर्ग ने बाबा साहेब अम्बेडकर के विचारों से प्रभावित होकर रिपब्लिकन पार्टी के नेतृत्व में थोड़े समय के लिए दलितों को प्रेरित किया। समुदाय के अभिजात्य वर्ग को छोड़कर आर्थिक सुधारों का लाभ आजादी के बाद दलितों तक नहीं पहुंचा। अस्सी के दशक के मध्य से जाति आधारित ध्रुवीकरण बहुजन समाज पार्टी के नेतृत्व में आरंभ हुआ, जिसकी स्थापना और कल्पना दलित चिंतक और नेता कांशीराम ने की थी। उत्तर प्रदेश में 1993 में पहली बार बसपा ने साझा सरकार बनाई फिर 1995 और 1997 में बसपा ने अपनी सरकार बनाई। 1995 में बसपा नेत्री मायावती ने मुख्यमंत्री पद संभाला था। इस समय तक उत्तर प्रदेश की राजनीति में मायावती एक मजबूत स्तम्भ के रूप में स्थापित हो चुकी थीं। 1997 में वह फिर मुख्यमंत्री बनीं, लेकिन उनकी सरकार 6 माह तक ही चली। मई 2002 में वह फिर मुख्यमंत्री बनीं लेकिन सरकार अगस्त 2003 तक चली। फिर 13 मई 2007 को मायावती स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में आईं और सरकार 2012 तक चली।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

लालू पासवान के बिना फीकी है चुनावी रंगत

बिहार विधान सभा चुनाव का प्रचार पूरे शबाब पर है। वहां आगामी 28 अक्टूबर, 3 व 7 नवंबर को 3 चरणों में वोट डाले जाएंगे। वोटों की गिनती 10 नवंबर को होगी। कोरोना के दौर में बिहार में विधानसभा चुनाव करवाना चुनाव आयोग व राज्य सरकार के लिए किसी चुनौति से कम नहीं होगा। बिहार में आए दिन बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित मरीज मिल रहे हैं। अब तक वहां कोरोना पॉजिटिव लोगों की संख्या दो लाख चार हजार का आंकड़ा पार कर चुकी है। वहीं कोरोना से मरने वालों की संख्या 900 से अधिक हो चुकी है।

ऐसे डर के माहौल में चुनाव करवाना व सात करोड़ 18 लाख लोगों का वोट डालना दोनों ही अपने आप में बहुत चुनौति भरा काम है। मगर बिहार विधानसभा का कार्यकाल शीघ्र ही पूरा होने जा रहा हैं। इसलिए वहां चुनाव करवाना चुनाव आयोग की संवैधानिक मजबूरी हो गयी है। चुनावी प्रक्रिया के दौरान ही बिहार सरकार में पंचायती राज मंत्री रहे जदयू नेता कपिलदेव कामत, अति पिछड़ा कल्याण मंत्री व भाजपा नेता विनोद सिंह, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री खुर्शीद उर्फ फिरोज की पत्नी बैबून निशा की कोरोना से मौत हो चुकी है। गया से जनता जदयू सांसद विजय मांझी भी चुनाव प्रचार के दौरान कोरोना पॉजिटिव पाये गए हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव में जहां सभी राजनीतिक दलों के गठबंधन चुनाव जीतने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं। वहीं राष्ट्रीय जनता दल के नेता लालू प्रसाद यादव व लोक जनशक्ति पार्टी के नेता रामविलास पासवान के बिना बिहार का चुनाव फीका लग रहा है। लालू प्रसाद यादव चारा घोटाले में रांची की जेल में सजा काट रहे हैं। वही रामविलास पासवान का पिछले दिनों निधन हो गया था। 1977 के बाद पहली बार लालू यादव व रामविलास पासवान बिहार के चुनावी परिदृश्य से ओझल हैं। चुनावों के दौरान अपने बेबाक बयानों को लेकर दोनो ही नेता चर्चित रहते थे। लालू यादव जहां माय (मुस्लिमयादव) समीकरण के बल पर वर्षों तक बिहार की सत्ता पर काबिज रहे थे। वहीं दलित वोट बैंक के दम पर पासवान लम्बे समय तक केन्द्र में मंत्री रहे।

बिहार के चुनाव में इस बार मुख्य मुकाबला एनडीए व महागठबंधन के मध्य होगा। 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए को 53.25 प्रतिशत वोट व 39 सीटें मिली थी। यूपीए को 30.76 प्रतिशत वोट व एक सीट मिली थी। 2019

के चुनाव में एनडीए में शामिल लोजपा इस बार बिहार में करीब डेढ़ सौ सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है। वही यूपीए में शामिल पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की हम पार्टी व सन ऑफ मल्लाह के नाम से मशहूर मुकेश साहनी की वीआईपी पार्टी एनडीए के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। वहीं राजद, कांग्रेस के साथ भाकपा, माकपा व भाकपा माले महागठबंधन बनाकर चुनाव मैदान में उतरे हैं।

पिछले लोकसभा चुनाव में महागठबंधन के साथ रहे राष्ट्रीय लोक समतापार्टी के अध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने ग्रैंड डेमोक्रेटिक सेकुलर फ्रंट नाम से 6 दलों का एक नया मोर्चा बनाया है। इस मोर्चे में राष्ट्रीय लोक समता पार्टी, एआईएमआईएम, बसपा, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, समाजवादी जनता दल डेमोक्रेटिक और जनतांत्रिक पार्टी सोशलिस्ट शामिल है। मोर्चा का संयोजक पूर्व केंद्रीय मंत्री देवेंद्र प्रसाद यादव को बनाया गया है। एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने उपेंद्र कुशवाहा को अपने मोर्चे की ओर से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है।

पूर्व सांसद व जन अधिकार पार्टी (लोकतांत्रिक) के अध्यक्ष पप्पू यादव ने प्रगतिशील लोकतांत्रिक गठबंधन (पीडीए) बनाया है। जिसमें एमके फैजी की सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी आफ इंडिया, उत्तर प्रदेश के चंद्रशेखर आजाद रावण की आजाद समाज पार्टी शामिल है। इस मोर्चे की तरफ से पप्पू यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया है। रामविलास पासवान के देहांत के बाद उनके पुत्र चिराग पासवान लोजपा के सर्वे सर्वा नेता है। उन्होंने चुनाव में नीतीश कुमार के खिलाफ ताल ठोक रखी है तथा उनकी आलोचना का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने एनडीए गठबंधन में शामिल जनता दल यू के सभी उम्मीदवारों के खिलाफ अपनी पार्टी के प्रत्याशियों को चुनाव लड़वाने की घोषणा की है। भाजपा व जदयू में टिकट से वंचित रहे नेताओं को चिराग पासवान लोजपा में शामिल कर अपनी पार्टी का प्रत्याशी बना रहे हैं। चिराग खुले आम कह रहे हैं कि मैं आज भी एनडीए में शामिल हूँ। मेरी लड़ाई भाजपा से नहीं नीतीश कुमार के जदयू से है। बिहार में विधानसभा का चुनाव बहुत ही रोचक स्थिति में पहुंच गयें है। एनडीए की तरफ से नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट तौर पर कह दिया है कि एनडीए दो तिहाई से अधिक सीटों पर चुनाव जीतेगा। एनडीए गठबंधन में शामिल दलों को कितनी भी सीटें मिले अगला मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही बनेंगे। महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार लालू यादव के छोटे पुत्र तेजस्वी यादव को बनाया गया है। उनके नेतृत्व में कांग्रेस सहित सभी वामपंथी दल चुनाव लड़ रहे हैं। महागठबंधन के नेता बनने के बावजूद तेजस्वी यादव को चुनावी प्रबंधन का अनुभव नहीं है। पिछले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था। उस वक्त जनता दल (यूनाईटेड) भी महागठबंधन में शामिल था। इस कारण महागठबंधन को दो तिहाई सीटों पर जीत मिली थी। अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फिर से एनडीए में शामिल हो गये है। लालू प्रसाद यादव जेल में हैं।

रमेश सर्राफ झुंझुनू
राजस्थान ।

www.womenexpress.in

कुदरत के फैसले... आश्चर्यजनक !

पिछले महीने सितम्बर के आखिरी हफ्ते की बात है,,मैं कुछ अनमनी, हैरान,परेशान सी थी,अपने ही लोगों से कुछ आहत थी !जीवन में यह सब नया नही था और ना पहली बार! सब कुछ चलता रहता है यही सोचकर मैं घर के छोटेमोटे काम निबटा कर नहाई! समय लगभग दिन के एक बज चुके थे, मंदिर में दीप जलाते ही मुझे याद आया कि तुलसी का पौधा सूखने लगा होगा, इसलिए जल चढ़ाने के लिए बाहर गई !मन में संशय था कि कहीं कोई देखेगा तो क्या सोचेगा...? कि दिन के एक दो बजे तुलसी में जल चढ़ा रही है, कितनी लापरवाह और आलसी औरत है! यूँ तो सरपट भागती दिल्ली नगरिया में किसी को किसी से कोई विशेष मतलब नहीं रहता है, फिर भी आस पड़ोस की कुछ महिलाएँ दूसरी महिलाओं की कमियाँ और खोट निकाल कर मजे लेने से पीछे नहीं हटती हैं! जो भी हो लेकिन मैं धीरे से दरवाजा खोलकर बाहर लगे तुलसी को जल देकर जैसे ही पीछे मुड़ी कि जिसका डर था वही हुआ!

पड़ोस की एक महिला काम से घर लौट रही थी उसकी नजर मुझपे पड़ गयी दुआ सलाम हुआ! दोपहर में तुलसी में पानी देने को देखकर वो हंस रही थी सो मुझे भी औपचारिकता बस हंसना पड़ा! हंसी सुनकर आस पड़ोस की और महिलाएं भी बाहर आ गयीं! इतने में ही एक बारह साल की बिटिया वहीं आकर लेटने लगी मिट्टी में, मैं ने पूछा कौन है यह बच्ची? जो इस कदर मिट्टी में लेट रही है, काम से लौटी महिला ने बताया कि वो बच्ची उसके भाई कि बेटी है भाई कि किडनी खराब है! भाई का ईलाज कराने बिहार से दिल्ली ले आए हैं! उसकी यह बेटी भी मानसिक विक्षिप्त है ना बोल पाती है ना चल पाती है भूख लगने पर रोती है,और जमीन पर लेटने लगती है! इसका पिता जिसकी किडनी खराब है वह बेरोजगार है कोरोना के चलते सरकारी अस्पताल में

इलाज नहीं हो पा रहा है और प्राईवेट अस्पताल में इलाज कराने की क्षमता नहीं है! सबसे बड़ा संकट इस बिटिया के मां को है पति बीमार, बेटी बीमार, मायके से दीन, हीन,गरीब है! अगर भाई को किडनी के चलते कुछ हो गया तो उस महिला पर दुखों पहाड़ टूट पड़ेगा! इतना सुनते ही मेरे हाथ पैर ठंडे पड़ गए मैं सिहर उठी... उस असहाय महिला की जगह खुद को रखी तो एक मिनट में मेरी आँखों से निर्झर नीर अविरल प्रवाहित हो उठी! मैं सोचने लगी की वाह रे विधाता किस कलम से कितनों की और कैसे किस्मत लिखता है तू?? किसी को सुख ही सुख तो किसी के भाग्य में दुख ही दुख आंसू ही आसूं सिसकन ही सिसकन! उस दिन भगवान के फैसले से दुखी थी, कोश रही थी मुक़द्दर गढ़ने वाले को किसी को इतना दुख आखिर कौन सी गलती उस बेचारी औरत कि पति की किडनी खराब, बेटी लाचार मानसिक अस्वस्थ, दो वक्त की रोटी के लिए जद्दोजहद! मेरे ज़हन से यह वाकया तीन चार दिन गया ही नहीं! पांच वे या छठे दिन मैं फिर तुलसी को जल चढ़ाने गयी तो मेरी रायबरेली वाली पड़ोसन ने बताया कि मीना वो उस दिन जो महिला अपने भाई और भतीजी की दुख भरी दास्ताँ बता रही थी, उसका वह बीमार भाई चल बसा..! इतना सुनते ही मैं आवाक रह गई जैसे मुझे सुन्नपात हो गया हो ना तो मेरे कदम आगे बढ़ रहे थे और ना पीछे हट रहे थे! मेरे आखें सजल हो उठीं! उस मृतक इंसान की पत्नी के बारे में सोचकर ही मैं जमीन पर बैठ गई! कि आखिर अब क्या करेगी वो असहाय गरीब महिला उसका एक आसरा दुनिया से चला गया, संसार उजड़ गया, मांग का सिंदूर गया बेचारी का! लेकिन कहते हैं कि विधाता का लिखा कोई टाल भी नहीं सकता है! उस दिन से मैं यह समझ गई कि यहाँ सब अपने दुख से दुखी हैं यदि गौर से देखा जाये तो दुनिया में इतना गम है मेरा गम फिर भी कितना कम है! मैं बिना तुलसी को जल चढ़ाए वापस कमरे में लौट आई, कुदरत के इस हतप्रभ करने वाले फैसले से हैरान परेशान रही आई!

मीना सामंत
एमबी रोड न्यू दिल्ली ।

www.womenexpress.in

दुखों को हरने वाली है मां कुष्मांडा

शारदीय नवरात्रि में मां शेरावाली की उपासना के चैथे दिन की पूजा का अत्याधिक महत्त्व है। नवरात्र के चैथे दिन मंगलवार, 20 अक्टूबर को माता दुर्गा की पूजा कुष्मांडा के रूप में की जाती है। माँ शैलदात्री, माँ ब्रह्मचारिणी और माँ चंद्रघंटा के बाद, माँ कुष्मांडा की पूजा नवरात्रि के चैथे दिन की जाती है। ब्रह्मांड की उत्पत्ति करने के कारण इस देवी को कुष्मांडा कहा गया। कुष् का अर्थ है कुछ, ऊष्मा का अर्थ है ताप और अंडा का अर्थ है ब्रह्मांड। शास्त्रों के अुनसार मां कुष्मांडा ने अपनी दिव्य मुस्कान से संसार में फैले अंधकार को दूर किया था। चेहरे पर हल्की मुस्कान लिए माता कुष्मांडा को सभी दुखों को हरने वाली मां कहा जाता है। इनका निवास स्थान सूर्य है। यही वजह है माता कुष्मांडा के पीछे सूर्य का तेज दर्शाया जाता है। मां दुर्गा का यह इकलौता ऐसा रूप है जिन्हें सूर्यलोक में रहने की शक्ति प्राप्त है। देवी को कुम्हड़े की बलि प्रिय है।

चेहरे पर हल्की मुस्कान लिए माता कुष्मांडा को सभी दुखों को हरने वाली मां कहा जाता है पौराणिक मान्यता है कि मां कुष्मांडा ने ही इस सृष्टि की रचना की. इनका निवास स्थान सूर्य है. इसीलिए माता कुष्मांडा

के पीछे सूर्य का तेज दर्शाया जाता है। मां दुर्गा का यह एकलौता ऐसा रूप है जिन्हें सूर्यलोक में रहने की शक्ति प्राप्त है। इनके अलावा माता कोई भी रूप सूर्यलोक में नहीं रहता।

ऐसा मान्यता है कि जब दुनिया नहीं थी, तब इसी देवी ने अपने हास्य से ब्रह्मांड की रचना की इसीलिए इन्हें सृष्टि की आदिशक्ति भी कहा गया। देवी की आठ भुजाएं हैं। इनके हाथों में कमंडल, धनुष, बाण, कमलपुष्प, अमृतपूर्णकलश, चक्र, गदा व जप माला हैं। देवी का वाहन सिंह है। अविरल और पवित्र मन से नवरात्रि के चैथे दिन कुष्मांडा देवी की पूजा आराधना करना चाहिए। इससे भक्तों के रोगों और शोकों का नाश होता है तथा उसे आयु, यश, बल और आरोग्य प्राप्त होता है। ये देवी अत्यल्प सेवा और भक्ति से ही प्रसन्न होकर आशीर्वाद देती हैं। सच्चे मन से पूजा करने वाले को सुगमता से परम पद प्राप्त होता है।

देवी योगध्यान की देवी भी हैं। देवी का यह स्वरूप अन्नपूर्णा का भी है। उदराग्नि को शांत करती हैं। इसलिए, देवी का मानसिक जाप करें। देवी कवच को पांच पढ़ना चाहिए। माँ के भक्ति मार्ग पर कुछ ही कदम आगे बढ़ने पर भक्त साधक को उनकी कृपा का सुक्ष्म अनुभव होने लगता है। यह दुःख स्वरुप संसार उसके लिए अत्यंत सुखद और सुगम बन जाता है। माँ की उपासना मनुष्य को सहज भाव से भवसागर से पार उतारने के लिए सर्वाधिक सुगम व् श्रेयस्कर मार्ग है। माता की उपासना मनुष्य को आँधियों व्याधियों से सर्वथा विमुक्त करके उसे सुख समृद्धि और उन्नति की ओर ले जाने वाली है।

बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार
मालवीय नगर, जयपुर ।

www.womenexpress.in

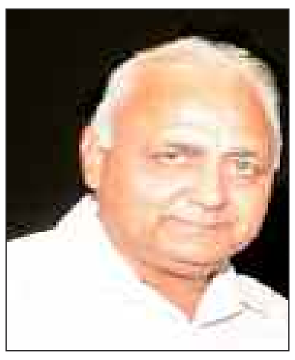

ड्रग्स-शराब-नशा और सरकार का दोहरापन

फ़िल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की 14 जून 2020 को संदिग्ध परिस्थितियों में हुई अफ़सोसनाक मौत के बाद एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप करने,एक दूसरे को लांछित करने, मीडिया द्वारा इस मुद्दे पर नागिन डांस करते हुए ख़ुद को मुंसिफ़ के रूप में पेश करने और इस विषय को झूठसच के घालमेल से अनावश्यक रूप से लंबे समय तक खींचने का कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलेगा। सुशांत की मौत हत्या नहीं बल्कि आत्महत्या थी, जाँच एजेंसियों के इस निष्कर्ष पर पहुँचने के बाद इसी विषय से जुड़ी इससे भी बड़ी बहस इस बात को लेकर छिड़ी कि क्या फ़िल्म जगत, ड्रग एडिक्ट्स या नशेड़ियों का अड्डा है? इस विषय पर होने वाली चीख़चिल्लाहट केवल मीडिया पर टी आर पी रेस के लिए होने वाली चटकारेदार बहस तक ही सीमित नहीं रही बल्कि यह विषय संसद में भी गूंजता सुनाई दिया। इसका कारण यह था कि अभिनेत्री कंगना रणौत ने अपने एक इंटरव्यू में फ़िल्मी पार्टियों में ड्रग्स के कथित इस्तेमाल को लेकर फ़िल्म उद्योग की तुलना गटर से कर डाली थी। कंगना ने अपने एक इंटरव्यू में 99 प्रतिशत बॉलिवुड स्टार्स के ड्रग्स सेवन में शामिल होने का दावा किया था। इसके जवाब में रायसभा सांसद जया बच्चन ने कहा था कि , जिन लोगों ने फ़िल्म इंडस्ट्री से नाम कमाया, वे इसे गटर बता रहे हैं? मैं इससे बिल्कुल सहमत नहीं हूं। मैं सरकार से अपील करती हूं कि वो ऐसे लोगों से कहे कि इस तरह की भाषा का इस्तेमाल न करें। यहां कुछ लोग हैं जो जिस थाली में खाते हैं, उसी में छेद करते हैं। बहरहाल यह बहस इतनी आगे बढ़ी कि हेमामालिनी जैसे अन्य कई कलाकार फ़िल्म उद्योग के बचाव में सामने आए तो कई मशहूर निर्देशक,अभिनेता व अभिनेत्रियों पर ड्रग्स से जुड़े होने संबंधी शक अथवा जांच की सुई घूमी।कुल मिलाकर ड्रग्स व नशे की दुनिया से संबंधित यह बहस टी वी व मीडिया के माध्यम से इधर उधर ज़रूर घूमती रही परन्तु इस बहस में छुपी सच्चाई को उजागर करने का काम न तो किसी प्रोपेगैंडिस्ट मीडिया ने किया न ही स्वयं को सत्यवादी कहने वाले बहस के अनेक प्रतिभागियों ने। आइये ड्रग्स या नशे से जुड़े कुछ ऐसे ही अनछुए पहलुओं पर नज़र डालते हैं।

वैसे तो ड्रग्स का शाब्दिक अर्थ दवा या औषधि ही होता है। पहले दवाइयों की दुकानों पर लगने वाले बोर्ड्स पर लिखा होता था केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट। परन्तु धीरे धीरे ड्रग्स शब्द को

नशे और नशेड़ियों से जोड़ दिया गया। समाज के ही न जाने किस तथाकथित अधिकृत वर्ग ने शराब का नशा करने वालों को तो नशेड़ी या ड्रग एडिक्ट्स की श्रेणी में नहीं रखा परन्तु गांजा, भांग, अफ़ीम, चरस आदि का सेवन करने वालों पर नशेड़ियों का लेबल लगा दिया।गोया शराब पीने वाला शराबी नहीं कहलाता बल्कि वह शराब का शौक़ फ़रमाता है परन्तु जो गांजा,भांग अफ़ीम या चरस का सेवन करता है तो वह क़ानून की नज़रों में अपराधी तो है ही साथ ही वह गंजेड़ी,भंगेड़ी,अफ़ीमची या चरसी जैसी उपाधियों का भी हक़दार है। ज़रा इन्हीं नीति निर्माताओं से पूछिए कि यदि शराब पीने में कोई बुराई नहीं या यह विश्व की सर्वमान्य मुख्यधारा से जुड़ा सोमरस है तो क्या वजह है कि इस मय मुबारक को गुजरात, बिहार, मिज़ोरम, नागालैंड, लक्षद्वीप तथा मणिपुर के कई क्षेत्रों में इसकी बिक्री,सेवन व व्यवसाय प्रतिबंधित है ? ज़ाहिर है बिहार जैसे विशाल राज्य में शराब पर प्रतिबंध लगाने के समय से लेकर अब तक इससे जुड़े जिस मुद्दे को सत्ता द्वारा अपने राजनैतिक लाभ के लिए उठाया जाता है वह यही है कि शराब लोगों को बर्बाद कर रही थी,लोगों के घर उजाड़ रही थी, लोगों के स्वास्थ्य तथा उनकी आर्थिक स्थिति पर बुरा प्रभाव डाल रही थी। गोया सरकार के अनुसार जनता के परिवार कल्याण व उनके उज्जवल भविष्य के मद्देनज़र राज्य में शराब बंदी की गयी थी । ज़ाहिर है शराब बंदी वाले अन्य राज्यों के भी निश्चित रूप से यही तर्क होंगे।

अब इस सरकारी तर्क को स्वीकार करते हुए इन्हीं नीति निर्माताओं से पूछें कि क्या शराब बिक्री व उत्पादन वाले देश के अन्य राज्यों के लोगों के उज्जवल भविष्य या उनके परिवार के लोगों की तरक़्क़ी की चिंता उन राज्यों के नेताओं को नहीं ? लॉक डाउन के दौरान जब धर्म स्थलों से काफ़ी पहले मदिरालय खोले गए और इनकी क़ीमतें बेरोज़गार लोगों से कई गुना ज़्यादा वसूल की गई। यहाँ तक कि मदिरा प्रेमी लोगों की किलोमीटर लंबी लगी लाइनों को देश की गिरती अर्थव्यवस्था को संभालने का सूचक बताया गया उस समय शराब बंदी वाले राज्यों के वह तर्क कहाँ चले गए जिनके आधार पर शराब बंदी की गयी थी ? गोया हमारे ही देश के किसी राज्य के क़ानून के मुताबिक़ एक राज्य का मदिरा सेवनकर्ता शराब का शौक़ फ़रमाने वाला तो बंदी वाले राज्य का सेवनकर्ता शराबी,नशेड़ी या ब्योड़े बाज़ ?? यह तो जनता के साथ बड़ी नाइंसाफ़ी है। एक देश एक क़ानून की बात करने वालों को तो कम से कम इधर ज़रूर नज़र डालनी चाहिए ? प्रत्येक राज्य को राजस्व भी चाहिए और प्रत्येक राज्य का नेतृत्व अपने राज्वासियों का हित चिंतक होने का भी दावा करता है? अब नज़र डालते हैं गांजा भांग अफ़ीम चरस जैसे उन नशा सामग्रियों पर जहाँ शराब की ही तरह सरकार व समाज दोनों का ही दोहरा मापदंड है। कई राज्यों में अफ़ीम का उत्पादन वैध है तो कई राज्यों में भांग व अफ़ीम के ठेके हैं। केवल देश के साधु संतों व फ़क़ीरों का एक बड़ा वर्ग ही इन चीज़ों का सेवन खुले आम नहीं करता बल्कि लगभग सभी प्रतिष्ठित वर्ग के अनेक लोग ऐसे कथित ड्रग्स का सेवन करते है। अनेक खिलाड़ियों के नाम भी सामने आ चुके हैं। क्या नेता तो क्या अभिनेता सभी क्षेत्रों के तमाम लोग इसका किसी न किसी रूप में प्रयोग करते हैं।

तनवीर जाफ़री

www.womenexpress.in

नवदुर्गा- कूष्माण्डेति चतुर्थक

नवरात्रपूजन के चौथे दिन कुष्माण्डा देवी के स्वरूप की उपासना की जाती है। इस दिन साधक का मन अनाहत चक्र में अवस्थित होता है। अतः इस दिन उसे अत्यंत पवित्र और अचंचल मन से कूष्माण्डा देवी के स्वरूप को ध्यान में रखकर पूजा उपासना करना चाहिए

सुरासम्पूर्णकलशं रुधिराप्लुतमेव च।
दधाना हस्तपद्माभ्यां कुष्मांडा
शुभदास्तु मे

नवरात्रि में चौथे दिन माँ दुर्गा को कुष्मांडा के रूप में पूजा जाता है। अपनी मंद, हल्की हंसी के द्वारा अण्ड यानी ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इस देवी को कुष्मांडा नाम से अभिहित,(सम्बोधित करना) किया गया है।

कहते हैं कि जब सृष्टि नहीं थी और चारों तरफ सिर्फ अन्धकार ही अन्धकार था, तब मां दुर्गा के इसी स्वरुप ने हल्की सी मुस्कान बिखेर कर चारों तरफ प्रकाश ही प्रकाश उत्पन्न कर ब्रह्माण्ड की रचना की। कुष्मांडा देवी की आठ भुजाएं हैं, इसलिए अष्टभुजा कहलाईं। इनके सात हाथों में क्रमशः कमण्डल, धनुष, बाण, कमलपुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा हैं। आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जप माला है।

कुष्मांडा देवी का वाहन सिंह है और इन्हें कुम्हड़े की बलि प्रिय है। संस्कृत में कुम्हड़े को कुष्मांड कहते हैं । इसलिए भी इस देवी को कुष्मांडा कहा गया है इस देवी का वास सूर्यमंडल के भीतर लोक में है। सूर्यलोक में रहने की शक्ति, क्षमता केवल इन्हीं में है।

इसीलिए इनके शरीर की कांति और प्रभा सूर्य की भांति ही दैदीप्यमान है। इनके ही तेज से दसों दिशाएं आलोकित हैं। ब्रह्मांड की सभी वस्तुओं और प्राणियों में इन्हीं का तेज व्याप्त है। इनकी उपासना एवं सिद्धियों से समस्त रोगशोक दूर होकर आयुयश में वृद्धि होती है आराधना योग्य यह श्लोक सरल और स्पष्ट है। चतुर्थ दिन इसका जाप करना चाहिए।

प्रत्येक सर्वसाधारण के लिए..
या देवी सर्वभूतेषु माँ कूष्माण्डा
रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै
नमो नमः।।

अर्थ – हे माँ! सर्वत्र विराजमान और कूष्माण्डा के रूप में प्रसिद्ध अम्बे, आपको मेरा बारबार प्रणाम है। या मैं आपको बारंबार प्रणाम करता/करती हूँ। हे माँ, मुझे सब पापों से मुक्ति प्रदान करें।

जय माता दी

मधुलिका राय
गाज़ीपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

माता

नव रात्रि के पावन पर्व पर
नव रूपों में आती माता
सबका मन हर्षाती माता
जीवन सुखी बनाती माता
नव दिन नव रूपों का
सबको दर्शन देती माता
नव दिन अपने भक्तो को
डंडिया राश कराती माता
सबको शक्ति बताती माता
अपने नव दिन नव रूपों का
भक्तो को दर्शन देती माता
नवदुर्गा रूप दिखाती माता
सब भक्तो का भला कर
अपना कर्तव्य निभाती माता

विनोद कुमार सीताराम दुबे
मुंबई ।

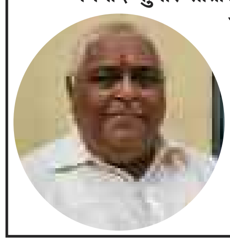

नवरात्रि माँ दुर्गा कूष्मांडा रूप...!

तुझमे भरी माँ ममता,बालक तेरे दास।
कूष्मांडा माँ कर दया,जग की
पालन आस।
जग की पालन आस,भक्त का
दुख हरनी।
निराकार को रूप, ब्रम्हाण्ड
जगत जननी।
अष्टभुजा पे माल,अंधकार छाया धरा।
बज्र वाहक शेर,सारा जगत है तुझमे।।

तुझमे किवाड़ खोल दे,भीतरी
मन हिलाय।
संगती साधु राखिये,दुर्जन मन
ना भाय।
दुर्जन मन ना भाय, चंद्र आभ
मुख मंडला।
जगनू काज न आए, रवि जग
रोशन कर चला।
भूखन निंदिया सोय, संचय
पूँजी क्या भया।
जगु हासत तू रोय,गगन निहारते तुझमे।

दोहा स्तुति
अस्त्रशस्त्र त बाण गदा,
कूष्मांडा ते रूप।
चरणामृत भाव भरा, मनमोहक
स्वरूप।
जगत जननी स बना, दिवाकर
में निवास।
तेज प्रबल प्रचंड शक्ति, जग
की तुझमे आस।
आदिशक्ति माँ जगदम्बे,
स्वीकार अब प्रणाम।
कूष्मांडा सुख दायनी, भगती
चारो धाम।
दीन दुःखी विनती करे, पूजत
रहे हजार।
तीन लोक जसू करता, मन ढूंढे बाज़ार।
कुम्हड़े भाया तुमको, नारियल
फूल पान।
तरस रहा माँ दरस को, रखना
मेरे मान।
माँ शाकम्बरी पिंगला, लाखो
तेरे नाम।
मिन्नतें माँ करो दया, मेरे बिगड़े काम।
कण कण में नाम बसती,जग
में तेरे धाम।
कोटि कोटि प्रणाम करूँ,मात
कहाँ आराम।

दिव्यानंद पटेल
विद्युत नगर दर्री
कोरबा, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

प्रकृति के उपहार...

ये सूरज, चाँद व तारे, सुंदर हैं
इनके नजारे।
नील गगन में रहते हैं, लगते हैं
कितने प्यारे।।
ये झरने झील नदियां, कल
कल कर बहती हैं।
पीने को मिले जल, खेतों को
सींचा करती हैं।।
ये रंग बिरंगे सुंदर फूल, जीवन
को महकाते हैं।
खुश्बू से मन हो प्रसन्न, ग़म भी
भूल जाते हैं।।
प्रकृति के सदैव ऋणी, विविध
उपहार देती हैं।
कई रंग रुप से प्रकृति, प्यार भी
खूब करती है।।
सूरज होकर उदित, तम हर जग
रोशन करता है।
जीवन में प्रकाश भर, मन
प्रफुल्लित करता है।।
धरती के सीने को चीर, हम
अन्न को उपजाते हैं।
खा कर तृप्त होते हम, खुश हो
जीवन जीते हैं।।
पेड़ पौधे धरती के गहने, करते
प्रकृति का श्रृंगार।
गर्मी, वर्षा व शरद ॠतुएं,
प्रकृति से मिले उपहार।।
जीव जंतुओं के लिए भी,
जंगल प्रकृति का वरदान।
प्रकृति से होता खिलवाड़,
मिटेगी हमारी पहचान।।
जीवन जीने के लिए हमें, वृक्षों
से मिले ऑक्सीजन।
पेड़ों को नित हम काट रहे,
मुश्किल में होगा जीवन।।
प्रकृति ने दिए कई उपहार,
जीवन खुशहाल रहता है।
हम भी करें इनकी सुरक्षा,
कर्तव्य हमारा बनता है।।

लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

अनकही...

अक्सर यह दीवाना सा मन
करता बस बचकानी बातें
बड़े मजे से धूल उड़ाते
जिस भी रस्ते से हम जाते।

कभी कभी गंभीर बने हैं
शांत रहे कुछ घड़ी दो पलछिन
चेहरे पे चिंता की अलकें
दिनकर पे ज्यों बदली सदृश।

कभी गमों की धूप में जलकर
सुखों की छाया से हो आए
मन तो कभी का पागल ठहरा
यायावर सा बढ़ता जाए।

लेकिन दिन भर चलते जाते
राही ने नहीं रुकना जाना
आज यहां कल चले कहीं को
वनमाली तो पथिक पुराना।

मिलते जुलते अनजानों संग
खुद से भी मिलते रहता हूं
उन की आंखें खुद का चेहरा
क्या सचमुच सुंदर लगता हूं?

कभी निशा की नीरवता में
शांति अपरिमित सी होती जो
मिलता हूं छाया से अपनी
निर्मल स्वच्छ धुली होती जो।

हे अनंत से दीपक मेरे
यूं हीं जलाए जोत ये रखना
मै तेरी ज्योति को अर्पित
कण भी मेरा न साबुत रखना।

मधुकर वनमाली
मुजफ्फरपुर, बिहार ।
www.womenexpress.in

मां की महिमा अपरंपार

लाल चुनरियों से सजा
माता का दरबार
दूर दूर से दर्शन करने
पहुँचे भक्त हज़ार
मन की मुरादें कर मां पूरी
दर्शन को मैं भी आया तेरे द्वार
मैं मूर्ख अज्ञानी माता
दर्शन दे दो बस एक बार
तेरी महिमा तू ही जाने
तू ही है मां आदि अनंत
पापियों का संहार करे मां
ध्यान लगावे साधु और संत
कभी तू काली बन कर के
दुष्टों का संहार है करती
कभी तू सरस्वती का रूप है धरती
विद्या से झोलियाँ है भरती
गौरी संग महादेव के
कैलाश पर कभी विराजे
बैकुंठ में लक्ष्मी बन कर
विष्णु जी के संग है साजे
दुष्ट पापी और अत्याचारी
ढोंगी,पाखंडी ,बलात्कारी
बढ़ रहे अब चारों ओर
छाई है घटा काली घनघोर
बेटी और नारी पर अब
विपदा बहुत हैं आन पड़ी
माता अब तुम आ जाओ
परीक्षा की है अब यह घड़ी
खड्ग खप्पर धारण कर माता
अब तुम जग में आ जाओ
अत्याचारी बढ़ गये धरा पर
उनसे मुक्त करा जाओ

रवींद्र कुमार शर्मा
बिलासपर, हिमाचल प्रदेश ।
www.womenexpress.in

मैया मिले सहारा

जबजब मैया मिले सहारा,
सब कुछ लगता है प्यारा ,
धरा तेरी हो चूनर जैसी,
हो हरियाली का बाड़ा,
प्रेम धुन में गाएं यारा,
और लगाएं जयकारा ।

जबजब मैया...
तेरे आंचल की छाया में
जीवन करें गुजारा ,
मिले प्रेम का ऐसा सागर
जैसे गंग की धारा ।

जबजब मैया ..
तेरी ज्योति से ऐसे दमके
जैसे चांद और तारा ,
जीवन की हो डगमग नैया
मिले तेरा ही सहारा ।

जबजब मैया...
मांगा नहीं मैं कुछभी करता,
बस मनभर मिले सहारा ,
डूबूंउतराऊं जब सागर
मुझको मिले किनारा ।
जबजब मैया मिले सहारा ....

कार्तिकेय त्रिपाठी
इन्दौर (मध्य प्रदेश) ।
www.womenexpress.in

याद रखना

उठूंगा एक दिन तूफान बन कर
मुझे याद रखना।
बहूँगा एक दिन
आंखों का आंसू बनकर
याद रखना।
दूंगा दर्द सीने में
याद बनकर याद रखना।
ढूंढो गए मुझे तुम
अपने और परायो में
याद रखना। चीख उठोगे
अपनी नासमझी पर एक दिन
याद रखना।
बड़ा भरोसा है तुम्हें जिन पर
छोड़ जाएंगे वो एक दिन याद रखना।
बहुत तड़फोगे एक दिन
मेरे लिए तुम याद रखना।

राजीव डोगरा
कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।

आप ऐसा कर सकते हैं

आप से
क्या किया जा सकता है ...

कोई बात नहीं
इसे करते रहो
वही किया जा रहा है
हम सुंदर काम कर रहे हैं ...
छोड़ो वो आलसज
हमारे आलस्य में डूबे
रहना सुंदर नहीं है ...।
अगर हम इस तरह से
आलस्य में लिप्त रहे,
तो जीवन में हम जो
रास्ते अपनाएंगे,
वह बदल जाएगा ...

इसलिए ....
जो तुम कर सकतो हो वो करो
अच्छा करें
इसके लिए काम करें ...
तुम्हारी जिंदगी में ...
उदय !!

ओटेरी सेल्वा कुमार
www.womenexpress.in

घायल कर देगा

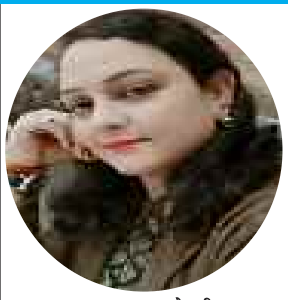

इश्क़ हमारा तुमको भी जब हद
से पागल कर देगा,
बिन सावन जो बरसेगा फिर
ऐसा बादल कर देगा।
लहज़े में खुशबू है उसके
जैसे फूल मोंगरे का,
सोहबत में रह जाऊं तो
मुझको भी संदल कर देगा।
आठ पहर मैं याद में उसकी
महकी महकी फिरती हूं,
छूकर मुझको अधरों से वो इत्र
की बोतल कर देगा।
गुमसुम सी रहती हूं मैं जिस
रोज से बातें बन्द हुई,
हाल मेरा जब पूछेगा फिर
मुझको चंचल कर देगा।
इश्क़, इबादत, प्यार, मुहब्बत
और वफ़ा के तोहफे ले,
छूकर मन का सीला कोना
फिर से घायल कर देगा।

अभिलाषा सिंह
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

जब पास होंगे तुम मेरे

विरहता की टीस से
उभर जाता है प्रेम ज्वार भाटे सा
चाहत ,चकोर सी
आकर्षण दे जाती चंद्रमा को
आँगन में चांदनी की छाया
जब बादलों की ओट से
कराती पलपल इंतजार
लगता है चंद्रमा के रुख पे
डाल रखा हो बादलों ने नकाब
सोचती हूँ
अगर तुम आ जाओ
तो लिपट जाऊ बेल की तरह
और दिखा सकूँ
प्रेम के मील पत्थर बने
ताजमहल को विरहता में
समझ सकों प्रेम का मतलब तो
इंतजार के मायनों में
तुम्हें चंद्रमा की चांदनी
और भी उजली नजर आने लगेगी
जब पास होंगे तुम मेरे।

संजय वर्मा
धार (मध्य प्रदेश) ।
www.womenexpress.in

सत्य पथ की ओर

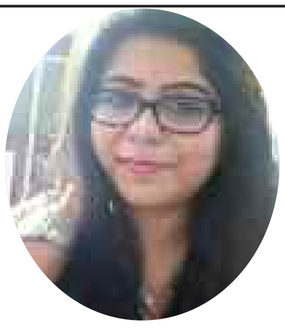

मौन और शून्य की तह तक
जाओ, उसमें ही खो जाओ,
अंधेरा पाओगे वहां मगर
ना डरों,
खड़ा होगा सत्य वहीं आसपास,
छुपा हुआ, दबा हुआ,
हालांकि सत्य तक तुम क्यों
जाना चाहोगे? जब तक कोई विशेष
बात ना हो,
अंधेरे के डर से ही भाग
जाओगे ना?
आगे क्यों बढ़ोगे?
क्योंकि चारों ओर से आंखें बंद
करनी पड़ती हैं,
परेह होना पड़ता हैं चकाचौंध से,
झांकना होता है खुद के भीतर,
केंद्रित रहना होता हैं
एक जगह सब कुछ त्याग कर,
विरलय और निर्भय होते हैं वो,
जो इतना आगे बढ़ते हैं
उस गहन आत्मभाव में प्रवेश करके,
खोजते है उसे जो छुपा हुआ हैं।
बहुत कुछ छोड़ना पड़ता है वहां
पहुंचने से पूर्व,
बहुत कुछ सुनना पड़ता हैं,
झेलना पड़ता हैं,
जिसमें मैं और मेरा भी शेष
नहीं रहता हैं। आग लगाने की
हिम्मत करनी पड़ती हैं, भस्म होने
तक सब कुछ के
संयम रखना होता हैं,
समाधि लगाना या यूं कहें
कि जीते जी मृत्यु का
वरण करके,
सहर्ष ही स्वःइच्छा से वही जीते
हैं इसको जो निर्भय होते हैं,
ऐसे में मृत्यु और समाधि जीते
जी भी,
एक सी ही प्रतीत होती हैं,
हां कई मायनों में दोनों एक ही
तो हैं।

दिव्या सक्सेना
ग्वालियर (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

उदास जीवन

एक अजीब इम्तिहान की घड़ी आई
स्याह अंधेरा था एकाकीपन
मे अकुलाई।

उथला पुथला सा था मेरा मन
एहसासों का सन्नाटा कुम्हलाई।।

यह कैसा इम्तिहान की घड़ी
एक अपरिचित शख्स से।
प्रखर हो रहे मेरे शब्द
उमड़े जज्बातों के अश्क से।।

यह प्रतिबिंब है, या एक छलवा
प्रश्न अनेको मन में उठते
हे इम्तिहान कैसा ए तेरा जलवा

एक परीक्षा की घड़ी जीवन
में आई
हृदय की जर्जर तारों से खेलें
मन की अनसुनी चाहत से वो
भावनाओं के कोरे धागों को छेड़ें।।

शून्य संज्ञा हीन मन के भावों को
असंतृप्त अकुलाहट को झंझोरे

फिर भी हारे मन की चाह को
असंख्य बार कोमल धागों में पिरोरे
एक प्रमाण परीक्षा, जीवन में आया
एक प्रमाण को मैं आलिंगन लगाया

सुन ए मेरे अशांत मन
चिर प्रमाणिकता के मीत।।

कोई कहता है प्रमाण तो
स्वयं में है एक प्रीत......।

युगों से मेरे मन प्रमाणित
तुम अब प्रमाण के युग ले लो
जगा हूं मैं मलयलीन अलको से
नींद के पलकों को मुझको दे दो।।

सत्य प्रकाश सिंह
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

जब देखता हूँ उसकी आँखे

जब देखता हूँ उसकी आँखे
कोई किताब लगती है आँखे

अनगिनत कहानी छुपाये हुये
किसी तिलिस्म सी है वो आँखे

छुपी हुई है उनमे प्यार की गहराई
खामोश निशब्द विरह की तन्हाई
बिन बोले कहती है उसकी आँखे

दिखती है किसी की जग रुसवाई
तन्हा बेजार आँसू बहाती है आँखे

दर्द की गंगा जमुना बहाती है आँखे
पाती नही चैन बिना दीदार यार के
तडपती तरसती बरसती रहती आँखे

सुन्दर सलोनी हिरनी सी है वो आँखे
नैनबाण से दिल घायल करती है आँखे
किसी की आँखो मे बस जाती है सूरत
बस उसी को देखने को तरसती आँखे

उसकी आँखो को पढना है साधना
आँखो में उतारना है ईश आराधना
छुपा है मेरा सारा प्यार इन आँखो में
वो मेरी हीर है मै हूँ उसका राझणा

सुधीर कुमार पाल
www.womenexpress.in

आखिर इतनी हवस क्यों

गहरी हवस भरी आंखों से उसे
वो रिक्शा वाला क्यों देखता है।
रिक्शा में बैठी स्त्री के उभार पर
क्यों अपनी बुरी नजरें गड़ाता है।।
बस, ट्रेन, ऑटो यहां तक कि
मोहल्ले के आसपास होते है।
गहरी हवस के भेड़िये है वो
स्त्री की इज्जत से खेलते हैं।।
जो लड़कियों का पीछा करते है
अपनी गंदी नजरों से।
वो चार महीने की बच्चियों को भी
नहीं रहने देते है सुरक्षित
अपनी गन्दी नजरों से।

जब देखता हूँ सुबह अख़बार में
घटनायें बलात्कार की तब मेरे
आँखों से आँसू निकल आते है।
खून से सनी लड़की की तस्वीर
देखक़र रोंगटे खड़े हो जाते हैं।।

हवाला दे कर सरकारी काम का
ना जाने यह नेता कितनी मासूमों
की जिंदगी ख़राब कर देते हैं।
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कहते हैं
लूटी जाती है अस्मत बेटी की तब
केवल ट्वीट ही करते रहते हैं।।
गहरी हवस के भेड़िये करते हैं
गंदी नजरों से पीछा उसका।
जब तक स्त्री आंखों से ओझल
ना हो जाती,करते पीछा उसका।
घर में अर्धांगिनी होते हुए भी
पति क्यों देखता है
ऑफिस में काम कर रही
जवान लड़की को...
घर में बहन बेटी होते हुए भी
व्यक्ति क्यों देखता है हवस से
स्टेशन पर खड़ी लड़की को...
समाज के लोग प्रतिक्रिया सिर्फ
इसलिए कभी नहीं देते है,
उनकी बहन बेटीयाँ नहीं है
आती आफत खुद की बेटी पर
न्याय की भीख मांगते हुए रोते है।
वो माँ बाप छुड़वा देते हैं
लड़की की पढ़ाई बीच में ।
खौफ से ईन भेड़ियों के जो
भटकटे हर गली के बीच में।

जब लोग होते हैं प्रतिक्रिया देने
के लिए तैयार ।
तब तक बेटी की हो चुकी होती हैं
तेरह वीं, छोड़ जाती है संसार।
जब भी कुछ लिखने बैठता हूँ
महिलाओं पर,हाथ कांपने लगते हैं
दिमाग सुन्न पड़ जाता है ।
जब भी लिखने बैठता हूँ
मेरी पेन उन लड़कियों का
दर्द सहन नहीं कर पाती है।
बस हमें आजादी चाहिए इन
हवस के पुजारियों से।
ताकि सुरक्षित रहे हर बहन बेटी
इन विनाशकारियों से।।

प्रवीण कुमार
करवाड़ा (रानीवाड़ा)
राजस्थान ।
www.womenexpress.in

आया नवरात्रि का त्योहार

नवदुर्गा से करें प्रार्थना
नव दिन नवरुपों की श्रद्धा
भाव से करें आराधना

प्रथम दिवस हिमालय पुत्री की
करते सब उपासना
ग्रहों का दोष निवारण करती
शैलपुत्री मां

द्वितीय रूप भव्य ज्योतिर्मय
तपस्विनी ब्रह्मचारिणी मां
भक्तों को प्रदान करती तप,
संयम, सदाचार मां

तृतीय रूप शांतिदायक
कल्याणकारी चंद्रघंटा मां
करती भक्तों के सम्पूर्ण कष्टों
का निवारण मां
स्मित हंसी से रचा ब्रह्माण्ड
कहलाई कूष्माण्डा मां
सच्चे मन से जो ध्याये देती
सुख, समृद्धि मां

कार्तिकेय की जननी पंचम रूप
स्कंदमाता मां
ज्ञान, बल, बुद्धि का देती
सबको वरदान मां

महर्षि कात्यायन की पुत्री षष्टम्
कात्यायनी मां
सबके कष्टों को हरती परम
मोक्षदायिनी मां

अति रौद्र भयंकर रूप सप्तम
कालरात्रि मां
दुष्टों का नाश कर भयमुक्त कर
देती मां

सुंदर शांत अति मनोहारी अष्टम
महागौरी मां
मनोकामना पूर्ण करती श्वेतांबर
धारी मां
समस्त सिद्धियों की देवी नवम
सिद्धिदात्री मां
धनधान्य, सुखड्ड समृद्धि, रिद्धि
सिद्धिदात्री मां

नव दिवस पूजन करें दुख
संताप सारे हरती मां
अपने भक्त जनों की
मनोकामना पूर्ण करती मां

दुखियों के दुःख दूरकर झोली
सब की भरती मां
भक्तों की रक्षा करती दुष्टों का
संहार करती मां

श्रद्धा, भक्ति से ध्याये उसका
उद्धार करती मां
मां की महिमा अपरंपार जय
जय जय अम्बे मां।।

प्रेमलता चौधरी
फालना, पाली, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

नवरूपा माँ अम्बे

जय माँ अम्बे जगदंबे काली
जीवन में खुशियाँ बरसाने वाली
स्वागत है माता जगजननी
लिए खड़े हम पूजा की थाली....

नौ दिन के नव रूप तुम्हारे
हरते कष्ट जीवन के सारे

नौ रूपों का वर्णन करते
भक्त तुम्हारे भवसागर से तरते....

हाथ त्रिशूल और कमल धर आई
शैलपुत्री तुम प्रथमा कहाई
उपासना से जिनकी सिद्धि आई
वह माता ब्रम्हचारिणी कहलाई....

तीजा रूप मानसिक विकार
मिटा दे
चंद्र मस्तक पर औ नाम
चंद्रघण्टा साजे

जीवन शक्ति यश की वृद्धि कर्ता
है रूप सुहाना माँ कुष्मांडा का....

स्कंद कुमार की जननी इच्छा प्रदाता
ममता का रूप है देवी स्कंद माता

आकर्षण वृद्धि और रूप प्रदायिनी
षष्ठी तिथि की हैं माता
कात्यायनी....

पापनाशिनी कुशक्ति निवारिणी
सप्त दिवस माँ कालरात्रि भवानी
सौभाग्य में वृद्धि करती है महामाई
आठवें दिन महागौरी कहाई.....

सर्व सिद्धि सर्व गुण सम्पन्ना
सिद्धि दात्री का दिन है नौंवा

माँ पर सबकी सच्ची श्रद्धा
होगा अंत अब विपदा व्याधि का...

भारती यादव
रायपुर, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

बेहतरीन क्रिकेट, करीबी मुकाबले आईपीएल-13 की पहचानः जय शाह

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

दुबई, 19 अक्टूबर । बीसीसीआई सचिव जय शाह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेली जा रही आईपीएल13 में बेहतरीन क्रिकेट और कीरीबी मुकाबलों से काफी प्रभावित हैं। आईपीएल में रविवार को दो मैच थे और दोनों के फैसले सुपर ओवर में निकले। पहला मैच कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ था जिसमें सुपर ओवर में कोलकाता ने जीत हासिल की।

वहीं दूसरा मैच मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच था। इस मैच में रोमांच की सारी सीमाएं पार हो गई क्योंकि पहली बार एक ही मैच में दो सुपर ओवर फेंके गए। मैच टाई होने के बाद पहला सुपर ओवर खेला गया और यहां भी मैच टाई रहा जिसके बाद दूसरा सुपर

ओवर खेला गया। यहां पंजाब ने जीत हासिल की। शाह ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'बेहतरीन क्रिकेट और करीबी मुकाबले इस आईपीएल सीजन की पहचान रहे हैं। रविवार के दिन तीन सुपर ओवर अविश्वस्नीय है। शाबाश, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, लोकेश राहुल, क्रूणाल पांड्या, दिनेश कार्तिक, सनराइजर्स हैदराबाद, कोलकाता नाइट राइडर्स, मुंबई इंडियंस, किंग्स इलेवन पंजाब।'

वहीं इसी बीच भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह ने प्रशंसकों से पूछा है कि मुंबईपंजाब के बीच आईपीएल13 में खेले गया मैच और 2019 विश्व कप में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया फाइनल, कौन सा बेहतर था। युवराज ने ट्वीट किया, 'विश्व कप2019 का फाइनल बेहतर था या मुंबई और पंजाब का मैच। अविश्वस्नीय दृश्य, आईपीएल यहां है।

दोनों टीमों ने शानदार खेल खेला। मुंबई के लिए जसप्रीत बुमराह और पंजाब के लिए लोकेश राहुल मैच बदलने वाले खिलाड़ी रहे। विश्व के बॉस क्रिस गेल और मयंक अग्रवाल ने शानदार तरीके से मैच खत्म किया।'

रणवीर को लेकर 'सर्कस' बनायेंगे रोहित शेट्टी

फिल्म में पूजा हेगड़े और जैकलीन फर्नांडिस भी हैं

(मानव शर्मा)

नई दिल्ली/मुंबई, 19 अक्टूबर । रणवीर सिंह की अगली फिल्म की घोषणा हो गई है। रोहित शेट्टी की अगली फिल्म में रणवीर सिंह पहली बार डबल रोल में नजर आएंगे। फिल्म का टाइटल 'सर्कस' है।

फिल्म में रणवीर सिंह के साथ जैकलीन फर्नांडिस, पूजा हेगड़े और वरुण शर्मा हैं। फिल्म की शूटिंग मुंबई, ऊटी और गोवा में होगी। रोहित शेट्टी द्वार निर्देशित यह फिल्म 2021 में रिलीज होगी। यह जानकारी फिल्म एंड ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोमवार को दी। तरण आदर्श ने ट्विटर पर दो तस्वीर शेयर कर लिखा'बड़ी खबर... रणवीर सिंह और निर्देशक रोहित शेट्टी ने एक बार फिर टीम बनाई। फिल्म का शीर्षक 'सर्कस' है, रोहित ने द कॉमेडी ऑफ एरर्स से लिया। फिल्म में पूजा हेगड़े, जैकलीन फर्नांडीज और वरुण शर्मा हैं। रोहित शेट्टी द्वारा निर्मितनिर्देशित

इस फिल्म को भूषण कुमार और रिलायंस एंटरटेनमेंट प्रस्तुत करेगा।' तस्वीर में रणवीर सिंह रोहित शेट्टी और भूषण कुमार संग स्टाइलिश अंदाज में पोज देते नजर आ रहे हैं। तरण आदर्श ने अगला ट्वीट किया 'रोहित शेट्टीभूषण कुमार का सहयोग..सर्कस के लिए रोहित शेट्टी और भूषण कुमार पहली बार सहभागिता कर रहे हैं, जिसमें अभिनेता रणवीर सिंह पहली बार डबल रोल में होंगे। इस फिल्म को मुंबई, ऊटी और गोवा में शूट किया जाएगा।' कॉमेडी फिल्म 'सर्कस' का निर्माण टीसीरीज के भूषण कुमार और रोहित शेट्टी करेंगे और रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा इसे प्रस्तुत किया जाएगा। यह फिल्म विलियम शेक्सपीयर के पॉपुलर नाटक 'द कॉमेडी ऑफ एरर्स' पर आधारित है। इससे पहले फिल्म 'अंगूर' भी इसी नाटक पर बनाई गई थी। फिल्म में संजीव कुमार और देवेन वर्मा लीड रोल में थे और इसका निर्देशन गुलजार ने किया था। यह फिल्म 1982 में रिलीज हुई थी। फिल्ममेकर रोहित शेट्टी और अभिनेता रणवीर सिंह इससे पहले सिंबा जैसी हिट फिल्म साथ में दे चुके हैं। रोहित शेट्टी और रणवीर सिंह की फिल्म 'सूर्यवंशी' इस साल मार्च में रिलीज होनी थी, लेकिन कोरोना लॉकडाउन के चलते इसकी रिलीज को स्थगित कर दिया गया था। अब यह फिल्म 2021 में रिलीज होगी।

सुबह-सवेरे

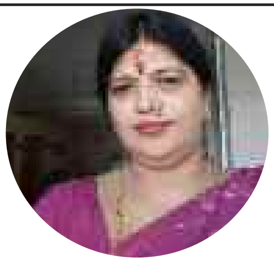

पल कौन सा होता
सुकुन मन को मिलता।
हर पल ही तो आरज़ू होती,
नींद में ख़ुवाब बन उलझाते,
तो सुबहसवेरे होते,ना जाने
कितने चाहतों से इसे घेर लेते।।
होती कुछ मुकम्मल तो हँसी बन,
चमक बन,मेहरबान हम
इस दिल पर हो जाते।।
कुछ दुआ ही कभी होती कुबूल है
कुछ तो सुबह सबेरे से साँझ तक
जीना करती मुहाल है।।
रह जाते अधूरे ख़ुवाब
जाने किस तलाश में रहता ये
कितनी ही उम्मीदें,आस
चाह, हसरतों की गढ़ लेता कहानियाँ।।
सुनता ख़ुद,कहता ख़ुद
खामोशी को बना के साथी।।
मिल जाता अनायास सुकुन
कभी अकेले में तो मायुस
हो जाता भरी महफ़िल में।।
जानता ये बख़ूबी सखि
आँसुओ को रंग ना होता।
हर क़िस्से में एक सा बहता।।

सुनीता अग्रवाल
राँची, झारखंड ।
www.womenexpress.in

नई उम्मीदें

चलों अपनों के साथ ,
कुछ पल फिर से समेट लेते हैं ...
गिरना उठना फिर चलना,
ये तो जीवन के साथी हैं ...

भूल कर सभी गलतियों को,
चलों इनसे फिर दोस्ती कर
लेते हैं ...
चलों अपनों .....

रंग नीला हो या लाल हो,
रंगीन मिलकर ही बनते हैं ...

चलों फ़िर से जीवन को,
कभी खुशी कभी गम बनाते हैं
चलों अपनों.....

अंधेरे का मतलब सिर्फ,
उजाला खत्म होना नहीं है...
चलों इन अंधेरों से लड़कर,
फ़िर से उजाला लाते हैं ...
चलों अपनों....

अन्तिमा बिंद
सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

सब दिन माता रानी के

हम सिर्फ 9 दिन ही क्यों कन्या पूजन या इतनी श्रद्धा दिखाते हैं ,क्या 9 दिन विशेष होता है ? हर दिन माता रानी का होता है, हर वो कन्या माता रानी का रूप होती हैं जिनका हम 9 दिन पूजा करते हैं ,और यही बात हमारे दिमाग मे 9 दिन के अलावा भी रहनी चाहिए कि हर कन्या माता रानी का अवतार होती हैं । समाज मे आज अगर ऐसी भावना जागृत हो जाए तो रेप जैसी घटना न घटित हों, 9 दिन पूजा तो करते हैं हर घर मे कन्या भोज के लिए कन्या खोजते हैं कि

भइया मेरे यहां कन्या भोज है अपनी बच्ची को भेज देना, पर समझ न आता सिर्फ 9 दिन ही क्यों ? 9 दिन के अलावा भी अगर समाज ये सोच रखे कि वो जो मासूम बच्ची है वो सिर्फ लड़की ही नही माता रानी का स्वरुप है तो ऐसी अमानवीय घटना न घटें । इतनी हि खुशी नवरात्रि बाद भी दिखे समाज मे ,इतनी ही खुशी लड़की पैदा होने पर भी हो समाज मे ,सिर्फ नवरात्रि तक खुशी और कन्या पूजन सीमित न रहे ।बस ये सोच समझ समाज के हर इंसान में होनी चाहिए कि हर दिन माता रानी के दिन होते हैं ऑयर हर दिन कन्या पूजनीय होती हैं ।

अंकुल त्रिपाठी
(प्रयागराज) उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

ये कैसा प्यार

ये कैसा प्यार
जिस्म बोले दिखाओ
ओ मेरे यार।
ये कैसा प्यार
लड़की के तन से दुर्व्यवहार।
ये कैसा प्यार
जो वस्त्र को उतारे कहे हैं प्यार।
समझो यार जो वस्त्र को उतारे
करे न प्यार।
भोली है यार
मत उतार वस्त्र झूठा संसार।

राहुल
बेगूसराय,
बिहार ।

बोल कबीरा

रख काम से काम कबीरा।
काम ही अपना धाम कबीरा।

मत शूल चुभा तू किसी को।
जख्मों का बन बाम कबीरा।।

कैसी नफरत निदा और भेद।
हर इंसा में जब राम कबीरा।।

बड़ेबड़े बरबाद किए इसने।
मत छलका तू जाम कबीरा।।

धर्म है बस मानव हो जाना।
मुहबत सबका पैगाम कबीरा।

नाम अलग ,पर काम एक है।
खुदा ईश्वर और राम कबीरा।।

कुछ करके बेशक हो जा तू।
ना मुफ़्ती हो बदनाम कबीरा।

सारा फर्क मिटा ही डाला है।
क्या शहर क्या गाम कबीरा।।

कृष्ण कुमार निर्माण
करनाल, हरियाणा।
www.womenexpress.in

तू बना है देने के लिए

ए मर्द तुझसे मोहब्बत है इतनी सी तेरे अपनों की, स्वार्थ सजी दुनिया में अपनों से उम्मीद की आस ना कर, तू बना है सिर्फ़ देने के लिए पा ना तेरे नसीब नहीं।

जब तक चमकेगी तुम्हारे माथे की शिकन पर मखमली बूँदें पसीने की, तब तक प्रेम के दरिया में अपनेपन के नमक की नमी रहेगी।

बिखेरता रहेगा जब तक अपनी लकीरों में बसी लक्ष्मी की रानाइयां, तब तक लिपटी रहेगी तुमसे अपने आसपास रची दुनिया की अच्छाईयां।

निवृत्ति की दहलीज़ पर लौटते कदमों की आहट सुनना, कल तक थे जो करीब तेरे अपनों की, किस काम का अब तू जब रही ना तेरे गुल्लक में अब चमक पैसों के खनखन की। जब तक दोगे मीठी छाँव शीत पवन पर हक जताते बैठेंगे सब तुम्हारी शरण में, उम्र के आख़री पड़ाव में कौन लेता है खबर बुढ़े बरगद की।

भावना ठाकर
भावु, बेंगुलूरु ।
www.womenexpress.in

पापा की स्मृति में

मान थे आप मेरा,
अभिमान थे आप मेरा,
आपसे ही तो गुमान था मेरा।

अभी तो ऊँगली पकड़ कर,
चलना सिखाया था,
चोट लगने पर,
मरहम अभी तो लगाया था।

स्कूल कॉलेज पढ़ाया था अभी,
सपनों को भी,
सजाया था अभी।
अभी तो दुनिया के
तौर तरीके सिखाया था।

डोली में बिठाया था अभी,
गले लगाकर, ससुराल के लिए,
विदा किया था अभी।

जीवन जीना भी,
सिखाया था अभी,
अभी तो फ़र्ज़, बाकी था आपका,
क्यों यू हीं साथ छोड़ गए,
मेरा, मेरे पापा।

डिम्पल तिवारी,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

मिट्टी को न जान सके

तुम कागज के फूल थे
मिट्टी को न जान सके।
दिया आसरा जिसने तुमको
तुम उसको न मान सके।
अंधकार में रहकर उसने
तुमको राह दिखाई होगी।
सावन सूने पथ पर उसने
प्रेम की आस लगाई होगी।
भाग रहे तुम जीवन मग में
क्रय विक्रय की दौड़ में।
तुम कागज के फूल थे
मिट्टी को न जान सके।
दिया आसरा जिसने तुमको
तुम उसको न मान सके।
लेकर सारे कष्ट तुम्हारे
जीवन का सुख खो दिया।
तुम बैठे फुनगी पर ऊंचे
दाना उनको डाल दिया।
नकली बाना धारण करके
तुम तानाबाना भूल गए।
तुम कागज के फूल थे
मिट्टी को न जान सके।
दिया आसरा जिसने तुमको
तुम उसको न मान सके।
जिसने दिया वजूद तुम्हारा
रूपरंग और सुंदर काया।
जिसके कारण खड़े हुए तुम
मिली तुम्हें अमृत की धारा।
छिपे थे जिसकी कोख में तुम
आज उसी को रौंद रहे।
तुम कागज के फूल थे
मिट्टी को न जान सके।
दिया आसरा जिसने तुमको
तुम उसको न मान सके।

निशा नंदिनी भारतीय
तिनसुकिया, असम ।
www.womenexpress.in

कहें तो आखिर क्या ??

लोग कहते हैं,
कुछ न कुछ बोला करो,
अच्छा लगता है, हम कहते हैं,
बोलो तो कुछ ऐसा,
जिससे लोग सीखें।

और न हो सके ऐसा,
तो अपनी ख़ामोशी को,
अपनी जुबान बनाओ,
कहकर समझाने वाले,
बहुत हैं संसार में,
ख़ामोशी जो अक्सर,
कह जाए वही श्रेष्ठ है।
उससे भी श्रेष्ठ वह व्यक्ति है,
जिसने ख़ामोशी को पढ़ना सीखा,
क्योंकि है मज़ा अपना ही,
ख़ामोशी से कहने और रहने में,
क्योंकि चट्टानों की है यही दास्ताँ,
नहीं कभी कुछ कहते हैं,
नहीं कभी भी हिलते हैं,
अपने स्थान पर सदा,
अटल सत्य बन रहते हैं।

न तो कोई हटा पाया,
न ही उनसे कोई उलझा है,
जब जब जिसने ठोकर मारी,
उन अडिग चट्टानों को,
ख़ुद ही चोट खाकर बैठा है,

हार भी मान ली उसने,
ऐसे अडिग पत्थर ही बन पाए,
कुशल नींव एक मकान की,
जिसके ऊपर खड़ा रहा,
इमारत कई मन्ज़िलों का।

गीतिका पटेल
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)।
www.womenexpress.in

गीत में उपचार लिखो

न गीत में अंगार लिखो, न गीत
में श्रृंगार लिखो।
बीमार है व्यवस्था, बस गीत में
उपचार लिखो।।

है दृष्टि दोष शासन में और
पंगुता प्रशासन में,
है अनसुनी फरियाद, कर्ण दोष
न्यायासन में।
सूखा परिआवरण, वनों का
उजार लिखो।
बीमार है व्यवस्था बस गीत में...

सड़कों को कैंसर है, गलियों
को ट्यूमर है,
दवाई के पैसे से, टंगी घर
में झूमर है।
उदर रोग भूंख का है कौन?
जिम्मेदार लिखो।
बीमार है व्यवस्था बस गीत में....

खांसता है बचपन, क्षय रोग है
जवानी को,
भटक रहे शहर शहर रोज दाने
पानी को।
रोटी, कपड़ा, मकान है कहाँ?
रोजगार लिखो।
बीमार है व्यवस्था बस गीत में....
कृषक को ग्रस लिया , महँगाई
के रोग ने,
लाखों की जान ले ली, सत्ता
के भोग ने।
हो रहा है देश का, देखो पनियां
ढार लिखो।
बीमार है व्यवस्था, बस गीत
में उपचार लिखो।
ना गीत में अंगार लिखो, ना
गीत में श्रृंगार लिखो।।

राजकुमार सिंह तोमर
मुरैना (मध्य प्रदेश) ।
www.womenexpress.in

मां बापू का प्यार

माँ पिता के प्यार को हम तो
छुपाते रह गये।
बस विचारों को महान यहाँ
बनाते रह गये।

जिन्दगी मे प्यार झूठा दे रहा
था यातना।
आजकल माँ बाप तो बस
थरथराते रह गये
जिन्दगी मे जो कियाऔलाद
खातिर ही किया।
वो हमारी गलतियों को ही
जताते रह गये।

देखता हूँ मैं यहां बहका हुआ है
हर इन्सा।
आजरिश्तों की कड़ी को हम
बचातेरहगये।

टूटते रिश्ते सभी हम आज
जोड़े फिर अभी
भूलकर सब गलतियां रिश्ते
बनाते रह गये।

डा0 रेखा जैन
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

याद अभी बाकी हैं

अक्सर तेरी यांदे ,
बेचैन मुझे करती है
तुम नहीं दिखते बस
तेरी परछाइयां ही सही
पर तेरी याद अभी बाकी हैं।।

कोई तलब गार नहीं
मेरी मुहब्त का साहिब
एक तरफा ही सही ये
आशिक मिजाज दिल में
तेरी याद अभी बाकी है ।।

क्या कहूं चैन नहीं आता कहीं
कोई मिलने मुझे बुलाता नहीं
तेरे जाने के गम से ज्यादा
तेरी याद अभी बाकी है।।

कोशिश की तुझे भुलाने की
तुझसे यूं ही दूर चले जाने की
खाई वफा में कसमें भी
तुझे शक्ल ना दिखाने की
क्या करूं तेरी याद
अभी बाकी है।

प्रतिभा दुबे
www.womenexpress.in

करते देखा है मैंने प्रकृति का श्रृंगार

करते देखा है मैंने प्रकृति का
श्रृंगार
उन मर्मस्पर्शी हाथों से सहेजते
उँगलियों से
जो क्षण भर को रुकते नहीं
भोर होते ही पहुच जाते हैं खलिहान
अपने कर्म करने प्रकृति का श्रृंगार।
स्वयं न कर वे करते हैं खेतों
का श्रृंगार
फसलों से खरपतवार को निकाल
देते है उनको बढ़ने को स्थान
फिर भी ना बड़े तो देते है खाद
है ये किसान जो करते हैं
प्रकृति का श्रृंगार।
हरि भरी हो खेत खलिहान
मेहनत करते हैं दिन रात
किसान
बारीश हो या धूप, या हो पूष
की रात
नहीं चूकते ये करने से प्रकृति
का श्रृंगार।
अपना ना सोच दूसरों के लिए
करते हैं पैदावार
नन्हें शिशु कि तरह करते हैं
उनकी देखभाल
यही है पृथ्वी के पालनहार
जो करते है प्रकृति का श्रृंगार।
ऐसे अनेकों है प्रकृति के
पालनहार
जो गांवों में करते है निवास
जिनके बारे में नहीं करता
कोई विचार
उनको प्रकृति देता अभूतपूर्व
वरदान।

राजकुमार
मुंगेली, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

लड़ईय्या को ब्याओ!!

जैसई पानी गिरन लगो उर
सूरज सुई मुस्कियायो,
हम तुरतइ समझ गए विज्ञान के
सरजी ने ते समझाओ,
इंद्रधनुस की देखी बेरा, छत पे
चढ़के चिल्लाओ,
दद्दा! जा हो रई इस्केटरिंग
आफ लाइट, जबईय्या इंद्रधनुस
बन पाओ,
दद्दा को कछु अगल कांसेप्ट,
नीचैई से गरियाओ,
काय चिल्लाचोंट करत सबरे
नीचे उतरखें आओ,
जे तुमोर हे पढ़ात बाहे हमने
सौंचाओ,
दद्दा को जब ज्ञान मिलो ऐसो
माथो चकराओ,
ऐसो लग रओ थो आजई
सबने ब्रह्म ज्ञान है पाओ,
जब भी तनतन भई बूँदाबाँदी
उर घामो निकरयाओ,
अम्माबऊ सुई कहत रहीं,दद्दा
ने जोई बताओ,
लुघरिया लगे जा
बिज्ञानमिज्ञान में,
जो तो हो रओ लड़ईय्या
को ब्याओ।

कृति गुप्ता
नरसिंहपुर, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

जरूरी तो नही

हर शाख पे फूल खिले जरूरी तो नही
हर फूल में महक हो जरूरी तो नही
धरा पर सर्वत्र चमन हो जरूरी तो नही
हर नग हिमालय हो जरूरी तो नही

हर सरिता मंदाकिनी हो जरूरी तो नही
हर ग्रंथ आर्ष ग्रंथ हो जरूरी तो नही
हर पाषाण मूर्ति बने जरूरी तो नही
हर मूर्ति मंदिर में बिराजे जरूरी तो नही
हर चौपाया दुधारू हो जरूरी तो नही
हर बिहंग गगन में उड़े जरूरी तो नही
हर तारा सूर्य हो जरूरी तो नही
हर रात चांदनी हो जरूरी तो नही
हर बूंटी संजीवनी हो जरूरी तो नही
हर शब्द मंत्र हो जरूरी तो नही

हर देव त्रिदेव हो जरूरी तो नही
हर बूंद मोती बने जरूरी तो नही
हर दिन सुख हो जरूरी तो नही
सर्वत्र मानव का वर्चस्व हो जरूरी
तो नही

सृष्टि रचियता की सृष्टि में
गुण रहित कुछ भी नही
अपनी अहमियत व स्थान
रखते यहाँ
सभी सर्वत्र मानव की ही जीत
हो जरूरी तो नही सब कुछ
मानव का ही हो जरूरी तो नही

गरिमा राकेश गौतम
कोटा, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

वो इक्कीस दिन

वो तालाबंदी के इक्कीस दिन
ना जीवन में कभी भुला पाएंगे
कोरोना ने जाल बिछाया
हर आदमी को बहुत डराया
कोई किसी से मिल ना पाया
सब ने दूर रहने का कार्य
बाखूबी निभाया

सारा दिन हाथ पावों धोते
दिन कटे हैं रोते ही रोते
कोई भाई बहन या रिश्तेदार ना आया
पहली बार सबने, सबको
इतनी दूर पाया
सारा दिन पुलिस वालों का था डर
जब भी सीटी बजती सब भागते
इधर उधर

लेकिन इसका नतीजा ये निकला
वातावरण हो गया बिलकुल साफ
चिड़ियों और सब पंछियों
ने गाए राग

बहुत से लोगों ने जान गंवाई
जिसकी कभी ना होगी भर पाई
बस अब तो सब करें दुआ
कोरोना हो जाओ, अब विदा

करमजीत कौर,
श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब ।
www.womenexpress.in

एक नजर

एग्री टेक प्लेटफॉर्म उन्नति ने जुटाये 17 लाख डॉलर

नई दिल्ली। एग्रीटेक स्टार्टअप उन्नति ने नाबवेंचर्स फंड से प्री सीरीज ए फंडिंग में 17 लाख डॉलर की पूंजी जुटाए हैं। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस फंड का मुख्य रूप से उपयोग तकनीकी प्लेटफॉर्म को अपग्रेड करने और अधिक पार्टनर स्टोर स्थापित करने में किया जाएगा। पेटीएम के पूर्व मुख्य वित्त अधिकारी अमित सिन्हा और टाटा टेलीसर्विसेज के पूर्व अधिकारी अशोक प्रसाद द्वारा स्थापित उन्नति किसानों को प्रतिस्पर्धी मूल्य तक पहुंच बनाने के लिए एक टेक इनेबल्ड प्लेटफॉर्म के रूप में काम करता है। साथ ही किसानों को अपनी पहुंच का इस्तेमाल करते हुए उनकी उपज के लिए उचित और पारदर्शी तरीके से बेहतर बाजारों तक पहुंच बनाकर अच्छा मूल्य प्राप्त करने में सक्षम करता है।

कोविड से बचाव व उपचार की प्रभावी व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश

कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग, सर्विलांस कार्य एवं जागरूकता कोविड-19 के प्रसार को नियंत्रित करेगा

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 19 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड संक्रमित मरीजों की संख्या में 37 हजार की कमी आने पर संतोष व्यक्त करते हुए कोविड19 से बचाव व उपचार की प्रभावी व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि बेहतर कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग, सर्विलांस कार्य एवं जागरूकता कोविड19 के प्रसार को नियंत्रित करने की एक मजबूत कड़ी है।

मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनपद लखनऊ में कोविड19 के दृष्टिगत विशेष सतर्कता बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला प्रशासन व स्वास्थ्य

विभाग सभी कोविड अस्पतालों से नियमित संवाद बनाते हुए रिकवरी दर को बेहतर करें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एस0जी0पी0जी0आई0 द्वारा एल3 कोविड अस्पतालों को तथा के0जी0एम0यू0 द्वारा एल2 कोविड चिकित्सालयों को वर्चुअल आई0सी0यू0 के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया जाए। उन्होंने इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर को पूरी सक्रियता से संचालित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि एम्बुलेंस सेवाओं को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में मूल्य समर्थन योजना के तहत धान खरीद की जा रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि धान क्रय केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को कोई असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने गो आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि गोआश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंश के लिए चारे आदि की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। गो आश्रय स्थलों में गोवंश का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जाए।

भारी भीड़ के चलते बांके बिहारी मंदिर अनिश्चितकाल के लिए बंद

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के वृंदावन में स्थित प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर श्रद्धालुओं के लिए फिर से खुलने के बमुश्किल दो दिन बाद ही सोमवार से अनिश्चितकाल तक के लिए बंद कर दिया जाएगा। यह कदम भारी भीड़ को देखते हुए उठाया गया है। सात महीने तक बंद रहने के बाद नवरात्रि के पहले दिन शनिवार को मंदिर फिर से खुल गया था। प्रसिद्ध मंदिर में 25000 से अधिक भक्तों की भीड़ उमड़ी। मंदिर खोलने से पहले इसके प्रबंधन ने एक नोटिस जारी किया था जिसमें कहा गया था कि एक दिन में केवल 400 भक्तों को अनुमति दी जाएगी। नोटिस में कहा गया था 200 श्रद्धालुओं को सुबह 8 बजे से 12 बजे तक पहले स्लॉट में दर्शन का मौका मिलेगा। अगले शिफ्ट में 5.30

बजे से 9.30 बजे के बीच 200 अन्य भक्तों को अनुमति दी जाएगी। समिति ने उन लोगों को भी प्रवेश देने का फैसला किया था जो ऑनलाइन पोर्टल पर खुद को पंजीकृत करने के बाद आते हैं। मंदिर को फिर से खोलने पर भारी भीड़ इकट्ठा हुई जिसने मंदिर समिति के लिए एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दीए जो सामाजिक दूरियों के मानदंडों को लागू करने में विफल रही और स्थानीय पुलिस को मदद के लिए बुलाया गया। मंदिर प्रबंधन ने एक नोटिस में कहाए श्मंदिर 19 अक्टूबर से श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेगा। यह महामारी के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस के साथ उचित समन्वय के बाद भगवान कृष्ण के दर्शन के लिए फिर से खुल जाएगा। मथुरा के जिलाधिकारिए सर्वज्ञ राम मिश्रा के अनुसारए श्प्रबंधन के लिए मंदिर के बाहर पुलिस तैनात की गई थी।

डॉ जगदीश पारीक द्वारा लिखी पुस्तक मेटास्कील व न्यारोसाइंस विमोचन किया

जयपुर। मित्र भारत समाज संस्थान के तत्वावधान में शिक्षक एवं कोरोना योद्धा सम्मान 2020 भरतपुर के शहनाई मैरिज होम गणेशि नगर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम संस्थापक अध्यक्ष भगवत कटारा के सानिध्य में हुए इस कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षा मंत्री डॉ सुभाष गर्ग ने बतौर मुख्यातिथि भाग लिया। इस दौरान डॉ गर्ग ने कहा कि राष्ट्र को समर्पित अनेक सामाजिक संगठनों, चिकित्सकों, नर्सेज, पुलिस विभाग के अलावा असंख्य विभागों के कर्मचारियों व भामाशाहों द्वारा सेवाएं की गई तथा उनका सम्मान हम सभी को प्रेरित करता है। उन्होंने कोरोनाकाल की इस घड़ी में संस्थान द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों को समाज के लिये प्रेरणादायक बताया और कहा कि भरतपुर में अच्छे कार्यों की पहल होनी चाहिए। संस्थान के महामंत्री डॉ पवन पारीक ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि अब समय आ गया है कि प्रोवेटिव हेल्थ व शिक्षा के कार्य को डिजिटली बढ़ाया जाए। ऑनलाइन कार्यक्रम व डिजिटल भारत के साथ आत्मनिर्भर भारत के सपने को मूर्त रूप देने की आवश्यकता पर भी डॉ पवन ने जोर दिया।

कलक्टर ने स्टीकर का विमोचन कर शुरू किया कोरोना अभियान

बीकानेर, 19 अक्टूबर। कोरोना जागरुकता अभियान से जुड़ते हुए भीखाराम चांदमल ग्रुप द्वारा पांच हजार स्टीकर प्रकाशित करवाए गए हैं। सोमवार को जिला कलक्टर नमित मेहता ने इनका विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा कोरोना जागरुकता अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करवाए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में घरों और दुकानों के बाहर स्टीकर चस्पा किए गए हैं। इस अभियान में विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाएं और औद्योगिक संगठनों ने भी पहल की है। यह अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति तक जागरुकता का संदेश पहुंचे, यह हमारी प्राथमिकता है। इस दिशा में सतत कार्य हो रहे हैं। सामूहिक प्रयासों से कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर आमजन बेवजह घरों से बाहर नहीं निकलें तथा आवश्यकता हो तो कोरोना एडवाइजरी की पालना करें। वर्तमान परिस्थितियों में प्रत्येक व्यक्ति मास्क का उपयोग करे तथा बेवजह बाहर नहीं निकले।

कोरोना काल में ग्रामीण इलाकों में रोजगार के व्यापक अवसर दिए

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

लखनऊ/दिल्ली, 19 अक्टूबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश द्वारा मनरेगा का वार्षिक लक्ष्य 06 माह में पूर्ण किए जाने पर संतोष व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल खण्ड में ग्रामीण इलाकों में रोजगार के व्यापक अवसर सृजित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने मनरेगा के कार्यों को प्राथमिकता पर संचालित कराया। इसके लिए वित्तीय वर्ष 202021 के प्रारम्भ होने के साथ ही,

माह अप्रैल में मनरेगा के तहत प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में विभिन्न कार्य प्रारम्भ किए गए थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मनरेगा योजना का सुनियोजित संचालन किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में अन्य कार्यों के साथसाथ नदियों के पुनरुद्धार, तालाबों के निर्माण, वृक्षारोपण आदि कार्य भी बड़े पैमाने पर कराये गये। इन गतिविधियों के संचालन से ग्रामीण क्षेत्रों के गरीबों तथा प्रदेश वापस आए श्रमिकों और कामगारों के लिए रोजगार की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

ज्ञातव्य है कि वित्तीय वर्ष 2020 21 में मनरेगा के माध्यम से 26 करोड़ मानव दिवस सृजन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस लक्ष्य को 06 माह में ही पूर्ति करते हुए प्रदेश में अब तक मनरेगा के अन्तर्गत 26.14 करोड़ मानव दिवस सृजित किए जा चुके हैं।

घूस लेते पकड़े गए होमगार्ड के जिला कमांडेंट को नौकरी से निकाला

होमगार्डों की ड्यूटी के लिए घूस लेते वीडियो हुआ था वायरल

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

लखनऊ, 19 अक्टूबर। भ्रष्ट आचरण के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए जीरो टॉलरेंस की नीति के अनुरूप मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आर्थिक भ्रष्टाचार के दोषी मुकेश कुमार, तत्कालीन जिला कमांडेंट, होमगार्ड विभाग, बुलंदशहर को सेवा से पदच्युत करने का आदेश दिया है। मुकेश, वर्तमान में निलंबित चल रहे हैं।

बीते नवंबर में मुकेश को लेकर सोशल मीडिया पर तीन वीडियो वायरल हुए थे। वायरल वीडियो में मुकेश होमगार्ड स्वयंसेवकों की विभिन्न प्रकार की ड्यूटी हेतु रुपये लेकर अपने जेब में रखते हुये दिख रहे थे। वीडियो क्लिप में हो रही वार्ता में यह साफ था कि यह रुपये जिला कमांडेंट द्वारा होमगार्ड को ड्यूटी के लिए लिए जा रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए शासन ने तत्काल इसकी पड़ताल कराई। प्रारंभिक जांच डिप्टी कमांडेंट जनरल

होमगार्ड, आगरा के स्तर से हुई, जिनकी रिपोर्ट के आधार पर आरोपित मुकेश को निलंबित कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई थी। वहीं विस्तृत जांच के लिए विवेक कुमार सिंह, डिप्टी कमांडेंट जनरल, केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ को जांच अधिकारी बनाया गया। इस जांच में भी जिला कमांडेंट मुकेश के खिलाफ सभी आरोप सही पाए गए। हालांकि आरोपित मुकेश ने वीडियो को कूटरचित बताते हुए खुद को निर्दोष बताया था।

वीडियो का परीक्षण विधि विज्ञान प्रयोगशाला, लखनऊ में कराया गया, जहां तीनों वीडियो क्लिप में किसी तरह की छेड़छाड़ की पुष्टि नहीं हुई। अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निलंबित जिला कमांडेंट को सेवा से पदच्युत करने का आदेश दिया है।

यमुना में बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए अंत्येष्टि स्थल किये गये दुरुस्त

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया में पिछले दिनों यमुना में आयी बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए अंत्येष्टि स्थलों को संवेदना ग्रुप द्वारा दुरुस्त कराया गया है। अंतिम संस्कार में होने वाली असुविधा को देखते हुए संवेदना ग्रुप द्वारा जून में यमुना तट के श्मशान घाट पर दो अंत्येष्टि स्थलों का निर्माण कराया गया था। कुछ समय बाद ही जलस्तर बढ़ जाने के कारण दोनों ही स्थल बाढ़ में डूबने के साथ पानी के तेज बहाव के कारण क्षतिग्रस्त हो गए थे। संगठन के संस्थापक सक्षम सेंगर एडवोकेट ने सोमवार को यहां बताया कि जल स्तर के कम हो जाने के बाद जब संवेदना ग्रुप के सदस्यों द्वारा अंत्येष्टि स्थलों का निरीक्षण किया गया। जल की धारा ने स्थलों के चारों ओर से मिट्टी का कटान कर दिया था, जिससे उनके प्रयोग में असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। संगठन के सभी सदस्यों के सहयोग दोनों ही अंत्येष्टि स्थलों को दुरुस्त कराकर पुनः प्रयोग के लिये सुगम बना दिया गया है।

केरल के वित्त मंत्री ने कहा, 'अब कितना कर्ज लेना है' के मुद्दे को सुलझाए केंद्र

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (वेबवार्ता)। केरल के वित्त मंत्री थॉमस इसाक ने कहा है कि केंद्र सरकार को अब माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कमी की भरपाई को 'ऋण की मात्रा' के मुद्दे को हल करने के लिए पहल करनी चाहिए।

इसाक ने सोमवार को ट्वीट किया, ''राजस्व में कमी की भरपाई के लिए कौन कर्ज लेगा, यह मुद्दा आधा हल हो चुका है। केंद्र को अब शेष मुद्दे का समाधान करना चाहिए कि कितना कर्ज लेना है।'' केंद्र ने पिछले सप्ताह विपक्ष शासित राज्यों की मांग को मानते हुए जीएसटी मुआवजे में कमी की भरपाई के लिए कर्ज लेने का फैसला लिया था। वित्त मंत्रालय ने कहा था कि केंद्र राज्यों को जीएसटी मुआवजे में 1.1 लाख करोड़ रुपये की भरपाई के लिए कर्ज लेगा। मंत्रालय ने कहा था कि यह व्यवस्था केंद्र के राजकोषीय घाटे में नहीं दिखाई देगी। इसे राज्य सरकारों की पूंजीगत प्राप्तियों के रूप में दिखाया जाएगा। हालांकि, केरल चाहता है कि केंद्र जीएसटी मुआवजे 1.83 लाख करोड़ रुपये की कुल कमी के लिए कर्ज ले।

इसमें से 1.10 लाख करोड़ रुपये की कमी जीएसटी के क्रियान्वयन और 73,000 रुपये की कमी कोविड19 महामारी की वजह से हुई है। इसाक ने कहा कि अधिक कर्ज से केंद्र का राजकोषीय घाटा प्रभावित नहीं होगा। केंद्र ने अगस्त में राज्यों को दो विकल्प दिए थे। इनमें से एक विकल्प जीएसटी क्रियान्वयन की वजह से आई कमी के लिए 97,000 करोड़ कर्ज लेना है। इसके लिए रिजर्व बैंक द्वारा विशेष सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। दूसरा विकल्प राजस्व में पूरी 2.35 लाख करोड़ रुपये की कमी के लिए बाजार से कर्ज लेना है। इसमें कोविड19 की वजह से राजस्व में आई 1.38 लाख करोड़ रुपये की गिरावट को भी जोड़ा गया था।

8 महीने बाद फिर से शुरू होंगी भारत-बांग्लादेश के बीच उड़ानें

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

ढाका, 19 अक्टूबर। कोरोना वायरस महामारी के बीच बांग्लादेशियों के लिए ऑनलाइन वीजा आवेदन सेवाओं को फिर से शुरू करने के बाद भारत अब द्विपक्षीय व्यवस्था के तहत 28 अक्टूबर से दोनों निकटतम पड़ोसी देशों के बीच उड़ान सेवा शुरू करने जा रहा है। भारत ने वायरस फैलने के डर से इन उड़ानों को पिछले करीब 8 महीने पहले बंद कर दिया था। ये उड़ानें 5 भारतीय शहरों को ढाका से जोड़ेंगी। इसे लेकर ढाका में भारतीय उच्चायोग ने शनिवार को ट्वीट भी किया था। रविवार को नागरिक उड्डयन प्राधिकरण बांग्लादेश (सीएबी) के अध्यक्ष एयर वाइस मार्शल एम. मफीदुर रहमान ने कहा कि शुरुआत में दोनों देशों के लगभग 5,000 यात्री हर हफ्ते उड़ान भर सकेंगे। वहीं यात्रियों को किसी तीसरे देश के लिए उड़ान भरने की सुविधा नहीं होगी। साथ ही यात्रियों को उड़ान

भरने से पहले कोविड19 परीक्षण कराना अनिवार्य होगा।

इससे पहले 9 अक्टूबर को बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग ने बांग्लादेशी नागरिकों के लिए ऑनलाइन वीजा आवेदन सेवाओं को फिर से शुरू करने की घोषणा की थी। जिसके तहत अब, चिकित्सा, व्यवसाय, रोजगार, पत्रकार और राजनयिक सहित नौ श्रेणियों में वीजा दिया जाएगा। बांग्लादेश की तीन एयरलाइन कंपनियां एक हफ्ते में 28 उड़ानों का संचालन करेंगी, वहीं 5 भारतीय एयरलाइन कंपनियां भी इतनी ही उड़ानें संचालित करेंगी। भारत के दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, मुंबई से ढाका के बीच उड़ानें संचालित होंगी। इतने महीनों से यात्रा सुविधा न मिलने के कारण कई बांग्लादेशियों को समस्याएं हो रही थीं क्योंकि उन्हें विशेष रूप से इलाज के लिए यहां आना होता है। सामान्य दिनों में औसतन 3,500 से अधिक बांग्लादेशी प्रतिदिन भारत आते हैं।

मिशन शक्ति अंतर्गत जागरूकता कार्यशाला हुई आयोजित

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच / पयागपुर पयागपुर विकास खण्ड अंतर्गत मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय पयागपुर में महिलाओं किशोरी बालिकाओं व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को लैंगिक समानता, घरेलू हिंसा तथा दहेज विरोधी कानून के अन्तर्गत महिलाओं के प्रति हिंसा से बचाव व पुनर्वास के सम्बन्ध में गोष्ठी आयोजित की गई।

इस दौरान सीडीपीओ पयागपुर अनिल पाण्डेय अरविंद सिंह सुनील शुक्ल शिवकुमारी सिंह अमिता श्रीवास्तव सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व किशोरियां उपस्थित रहीं।

एनडीआरएफ ने गृह रक्षा वहिनीं के कार्मिकों को महामारी से बचाव पर दिया प्रशिक्षण

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

पटना। कोरोना वायरस महामारी से बचाव विषय पर सोमवार को 9वीं बटालियन एनडीआरएफ के बचावकर्मियों ने आनन्दपुर, बिहटा (पटना) में स्थित केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान बिहार गृह रक्षा वहिनीं के कार्मिकों को प्रशिक्षित किया तथा उन्हें कोरोना वायरस से बचाव के लिए शपथ दिलाया गया। इस कार्यक्रम में गृह रक्षा वहिनीं के कार्मिकों ने उत्साह के साथ बढ़चढ़कर भाग लिया।

कमांडेंट विजय सिन्हा ने बताया कि एनडीआरएफ बल मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देश पर 9वीं बटालियन एनडीआरएफ द्वारा कोरोना वायरस महामारी से बचाव विषय पर बिहार और झारखण्ड दोनों राज्यों में जन जागरूकता अभियान बड़े पैमाने पर प्रतिदिन चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत सोमवार को एनडीआरएफ के कार्मिकों ने पटना सिटी में, सारण जिलान्तर्गत अमनौर प्रखण्ड में, सुपौल जिलान्तर्गत पिपरा प्रखण्ड में तथा आनन्दपुर (बिहटा) में स्थित बिहार गृह रक्षा वहिनीं प्रशिक्षण संस्थान में कोरोना से बचाव के प्रति लोगों को जागरूक किया गया तथा उन्हें कोरोना महामारी से बचाव हेतु शपथ भी दिलाया गया।

कमांडेंट विजय सिन्हा आगे बताया कि कोरोना वायरस महामारी की जरूरत है। इस महामारी में मास्क एक सुरक्षा कवच के समान है। मास्क का इस्तेमाल जरूर करें। साथ ही इससे सम्बंधित अन्य सुरक्षात्मक उपायों और प्रोटोकॉल का भी हमें सख्ती से पालन करना करना चाहिए।

का खतरा अभी टला नहीं है और अभी तक इस महामारी की कोई दवा उपलब्ध नहीं है। अतः जागरूकता और परहेज ही कोरोना वायरस महामारी से बचाव है। कोरोना वायरस महामारी को रोकने के लिए समाज के सभी लोगों को ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ सार्थक पहल करने एनडीआरएफ द्वारा झारखण्ड राज्य के राजधानी राँची और बाबा बैजनाथ धाम नगरी देवघर में भी कोविड19 के महत्वपूर्ण जानकारियों से स्थानीय लोगों को जागरूक किया गया तथा उपस्थित लोगों को कोरोना वायरस के सुरक्षात्मक उपायों को पालन करने के लिए शपथ दिलाया गया।

ड्रॉपलेट्स से बढ़ सकती कोरोना की रफ्तार

ठंड के कारण वायरस ज्यादा समय तक जिंदा रह सकता है: डा एसके जायसवाल

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। इस साल सर्दी के मौसम में सबसे ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है। क्योंकि गर्मी के मौसम में एरोसोल हवा में धूल कणों का माध्यम से कोरोना वायरस का प्रसार हुआ था। लेकिन सर्दी के मौसम में सांसों से निकलने वाले ड्रॉपलेट्स वायरस के प्रसार का कारण बन सकते हैं। यह समय इसलिए भी खतरनाक है क्योंकि गाइडलाइन के हिसाब से 6 फीट की दूरी भी कम पड़ सकती है। तापमान कम होने से मौसम में नमी होती है। इसलिए ड्रॉपलेट्स निर्धारित 6 फीट की दूरी आसानी से तय कर लेगा। इसके अलावा ठंड के कारण वायरस ज्यादा समय तक जिंदा रह सकता है। यह बातें गौरी हास्पिटल, पांडेयपुर के डॉक्टर एसके जायसवाल ने कही। डाक्टर का सुझाव है कि अब जब सब कुछ अनलॉक हो चुका है। लोगों की दिनचर्या पुराने ढर्रे पर चल पड़ी है तो ऐसे में और ज्यादा सतर्क रहने की जरुरत है। खासकर त्योहारी सीजन यानी दुर्गापूजा, दशहरा, दीवाली व छठ जैसे पर्व को मनाने, मार्केटिंग करने आदि अवसरों पर बगैर मास्क के घर से बाहर ना निकलें। सर्दी में सांस के माध्यम से पानी की छोटी बूंद निकल कर दूसरों

को प्रभावित कर सकती है।

बता दें, देश में कोरोना का कहर बना हुआ है। हर दिन कोरोना के नए मामले सामने आ रहे हैं। हालांकि पिछले तीन हफ्तों से नए कोरोना मामलों और मौतों की संख्या में गिरावट आई है। या यूं कहे कोरोना संक्रमण के बीच ठीक होने वालों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। लेकिन समस्या है कि निगेटिव रिपोर्ट के बाद भी कोरोना का आफ्टर इफेक्ट देखने को मिल रहा है। पहले जैसी शारीरिक स्थिति में नहीं पहुंचने पर लोग हताश हो रहे हैं। विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लेने पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि वायरस का दुष्प्रभाव समाप्त होने में तीनचार महीने का समय लगेगा। इसलिए लोगों को अनुशासित जीवनशैली जीने की सलाह तो दी ही जा रही है, भीड़भाड़ वाले इलाकों में बगैर मास्क के ना जाने को भी कहा जा रहा है। जबकि नीति आयोग का कहना है कि सर्दी के मौसम में कोरोना वायरस के संक्रमण की दूसरी लहर भी देखी जा सकती है। ऐसे में दुर्गापूजा, नवरात्र, दीवाली, छठ जैसे पर्वों पर हल्की सी लापरवाही लोगों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। इससे बचने का एकमात्र उपाय सरकार की गाइडलाइन का पालन करना है। दुर्गा पूजा पंडालों का भ्रमण करते समय, मंदिरों में दर्शन करते समय व खरीदारी के वक्त निश्चित दूरी का पालन करें। यह सिर्फ दुर्गा पूजा, दीपावली तक ही नहीं बल्कि फरवरी के अंत तक यानी होली तक सतर्क रहना होगा। क्योंकि अभी मौसम बदल रहा है।

शाम और सुबह सर्दी का अहसास होने लगा है। आगे ठंड और बढ़ेगी। डाक्टरों का कहना है कि कोरोना संक्रमण के इलाज के बाद रिपोर्ट नेगेटिव तो आ जा रही है लेकिन सुगंध और स्वाद की समस्या बनी हुई है। कुछ लोगों का तीन सप्ताह तक सुगंध और स्वाद वापस नहीं लौट रहा है। दुर्गंध के कारण लोग बहुत परेशान रह रहे हैं। ओपीडी में प्रतिदिन तीन चार मामले आ रहे हैं। यानी अभी वैक्सीन आने तक यानी सर्दी के 4 महीने तक सबसे ज्यादा बचाव करना होगा।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारी:
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुनील पाण्डेय ने आदित्य ग्राफिक्स INC, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व ई–4/168, गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुश्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

विधायकए बेटे के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का केस दर्ज

भदोही । जेल में बंद विधायक विजय मिश्रा उनके बेटे विष्णु मिश्रा और एक अन्य रिश्तेदार के खिलाफ भदोही में सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक महिला ने रविवार को गोपीगंज पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराई जिसमें आरोप लगाया गया कि मिश्रा ने 2014 में बंदूक की नोक पर उसका कई बार यौन उत्पीड़न किया। उसने कहा कि उनके बेटे विष्णु मिश्रा और उनके रिश्तेदार विकास मिश्रा ने भी उसके साथ दुष्कर्म किया। गोपीगंज पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर कृष्णानंद राय ने कहा कि विजय मिश्राए उनके बेटे विष्णु मिश्रा और रिश्तेदार विकास मिश्रा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 376 डी सामूहिक दुष्कर्मद्ध 342 गलत तरीके से बंधक बनाना और 506 आपराधिक धमकीद्ध के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि वाराणसी की रहने वाली महिला ने आरोप लगाया कि उसे 2014 के आम चुनाव के दौरान भदोही में चुनाव प्रचार के लिए बुलाया गया था। उसने आरोप लगाया कि जब उसने दुष्कर्म का विरोध करने की कोशिश कीए तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। अधिकारी ने कहा कि विधायक के डर से महिला मुंबई चली गईए लेकिन मामला दर्ज करने के लिए राज्य वापस आ गई ।

पबजी खेलने से मना करने पर बेटे ने पिता का गला रेता

मेरठ । मेरठ जिले में एक युवक ने पिता द्वारा पबजी खेलने से मना करने पर चाकू से उनका गला रेत दिया। गौरतलब है कि चीनी गेमिंग ऐप पबजी भारत में केंद्र सरकार द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया है। घटना की जानकारी पुलिस ने सोमवार को दी। घटना में पिता गंभीर रूप से घायल हो गएए वहीं आरोपी आमिर ने भी पिता पर वार करने के बाद खुद को चाकू से घायल कर लिया। पिता और पुत्र दोनों को मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। खबरों के अनुसारए यह घटना जिले के खरखौदा शहर के जमनानगर में गुरुवार को हुई थी लेकिन पुलिस को घटना की सूचना तुरंत नहीं दी गई थी। युवा ने अपने पिता इरफान पर इसलिए हमला कियाए क्योंकि उन्होंने बेटे को लंबे समय तक गेम खेलने से मना किया था। अपने पिता की आलोचना से परेशान होकर आमिर ने चाकू उठाया और अपने पिता के गले पर कई बार वार किया। बाद में उसने खुद के गले पर भी वार किया। सर्कल ऑफिसर देवेश सिंह ने कहा कि युवा के पिता ने जब उसे गेम नहीं खेलने के लिए कहा तो उसने अपने पिता का गला रेत दिया। युवा भी गंभीर हालत में है। इंस्पेक्टर अरविंद मोहन शर्मा ने कहा कि युवक के परिवार ने बताया कि वह नशे का आदी था । और उसका इलाज चल रहा था।

शक्तिपीठ बाराही देवी मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता

गोण्डा । उत्तर प्रदेश में देवीपाटन मंडल के गोण्डा जिले में स्थित शक्तिपीठ बाराही देवी के दर्शन के लिये श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। जिला मुख्यालय से करीब 35 किमी दूर स्थित तरबगंज तहसील के सूकर क्षेत्र के मुकंदपुर में स्थित प्राचीन मंदिर में कोरोना संक्रमण काल के दौरान शारदीय नवरात्र के अवसर पर देश के कोने कोने से आये लाखों श्रद्धालु दैहिक दूरी बनाकर पूजा अर्चना में लगे हुये हैं। महंत राघव दास के अनुसार बाराही मां के दर्शन मात्र से ही भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है। नवरात्रि के दिनों में नेत्रदोष पीड़ित व्यक्तियों द्वारा यहां कल्पवास करने व मन्दिर का नीर एवं करीब 1800 वर्ष पूर्व से स्थित विश्व के दूसरे सबसे विशाल वटवृक्ष से निकलने वाले दुग्ध को आंखों पर लगाने से आंखों की ज्योति पुनः वापस आ जाती है। नेत्र रोग से पीड़ित माँ को प्रसन्न करने के लिये माँ के चरणों में प्रतीकात्मक नेत्र चढ़ाते है। मंदिर मे दर्शन के लिए आसपास के जनपदों के अलावा दूसरे प्रदेश व नेपाल से भी आये भक्त माँ के दर्शन के लिये लंबी कतारों में लगे है। मां बाराही मंदिर को उत्तरी भवानी के नाम से भी जाना जाता है। वाराह पुराण के अनुसार हिरण्यकश्यप के भाई हिरण्याक्ष का पूरे पृथ्वी पर आधिपत्य हो गया था। देवताओं, साधूसन्तों और ऋषि मुनियों पर अत्याचार बढ़ गया ।

सिखों ने गुरु ग्रंथ साहिब के 328 स्वरूपों के गायब मामले में निकला रोष मार्च

प्रदर्शनकारियों ने गुरुद्वारा कमेटी प्रबंधन पर बोला हमला

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 19 अक्टूबर। दिल्ली के सिखों ने पंजाब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब के 328 स्वरूपों के गायब होने के मामले में विरोध स्वरूप आज यहां रोष मार्च निकाला। राजधानी के गोविंदपुरी से कालका जी तक निकाले गए रोष मार्च में जागो पार्टी के अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके भी शामिल हुए। इस मामले में दिल्ली कमेटी प्रबंधकों के द्वारा चुप्पी धारण करने को मुद्दा बनाते हुए प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां थाम रखी थी। इस पर गुरु ग्रंथ साहिब के अपमान पर कमेटी प्रबंधकों को प्रबंध से बाहर करने की बात लिखी थी। साथ ही प्रदर्शनकारी सवाल पूछ रहें थे कि कमेटी के पदाधिकारी गुरु ग्रंथ साहिब के साथ हैं या चोरों के साथ ? प्रदर्शनकारी दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव हरमीत सिंह कालका के कार्यालय के निकट भी विरोध मार्च लेकर पहुंचे। इस मौके पर जीके ने कहा कि स्वरूपों के गायब होने को लेकर जागो पार्टी की तरफ से पश्चाताप के तौर पर 328 सहज पाठ कर रहे हैं। सहज पाठ के पहले पड़ाव के भोग 8 नवंबर को डाले जाएंगे। इसलिए दिल्ली कमेटी को पाठों की समाप्ति के लिए गुरुद्वारा

बंगला साहिब या गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब अथवा भाई लक्खी शाह वणजारा हॉल देने की मांग करते हुए पत्र भेजा है। हमें उम्मीद है कि कमेटी हमें पश्चाताप समागम के लिए जरूरी जगह उपलब्ध करवाएगी। मामला गुरु ग्रंथ साहिब से जुड़ा हुआ हैं, इसलिए पार्टीबाजी से ऊपर उठकर कमेटी को हमारे साथ सहयोग करना चाहिए।

1984 सिख कत्लेआम की इंसाफ मुहिम को समर्पित निकली कौर राइड

नई दिल्ली 19 अक्टूबर। 1984 सिख कत्लेआम की पीड़ित महिलाओं के द्वारा लड़ी जा रहीं इंसाफ की लड़ाई के जज्बे को समर्पित कौर राइड निकाली गई। इसकी अगुवाई जागो पार्टी की यूथ कौर ब्रिगेड की अध्यक्ष अवनीत कौर भाटिया ने की। राइड तिलक नगर मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर सीआरपीएफ कैंप चौक पर समाप्त हुई। हर सप्ताह निकाली जाती इस राइड में महिलाओं से जुड़े सामाजिक व धार्मिक मामलों को प्रमुखता से उभारने की कोशिश की जाती है। जागो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चमन सिंह ने कहा कि जिन बेटियों के पास अपनी साइकिल नहीं हैं, उन्हें ट्रस्ट की तरफ से साइकिल उपलब्ध करवाया जाएगा। कौर राइड मानसिक और शारीरिक तंदरुस्ती के साथ व्यक्तिगत आत्म विश्वास बढ़ाने का कारण भी बन रही है। अवनीत कौर ने 1984 के इंसाफ के लिए लड़ रहीं महिलाओं के जज्बे को सलाम करते हुए निरप्रीत कौर, शीला कौर, पोपरी कौर आदि के द्वारा अदालतों में बिना डरे और बिना झूके दी गई गवाहीयों की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि माता साहिब कौर के जन्म दिवस पर महिलाओं का पहला रक्तदान शिविर लगाया जाएगा।

किसान, पीएसयू और महिला सुरक्षा पर आंदोलन करेगी कांग्रेस

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर । कांग्रेस ने आने वाले हफ्तों में आर्थिक नीति, किसानों और महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर मोदी सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। पार्टी ने अपनी राज्य इकाइयों से देशभर में हर राज्य में रैलियों का आयोजन करने को कहा है। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की किसानविरोधी, महिलाविरोधी, मजदूरविरोधी और गरीबविरोधी नीतियों और कार्यों को लेकर पार्टी की भविष्य की रणनीति पर फैसला लिया गया है। रविवार को पार्टी द्वारा जारी एक आंतरिक परिपत्र में, के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, '31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती और इंदिरा गांधी की शहादत दिवस को 'किसान दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है।' किसान विरोधी और मजदूर विरोधी कानूनों के खिलाफ पार्टी सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच 31 अक्टूबर को हर जिला मुख्यालय में सत्याग्रह और उपवास करेगी। 5 नवंबर को, पार्टी महिला और दलित उत्पीड़न विरोधी दिवस मनाएगी। इस दिन, राज्य स्तर पर धरने प्रत्येक राज्य मुख्यालय पर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच आयोजित किए जाएंगे, जिसमें दलितों के खिलाफ देश भर में लगातार हो रहे अत्याचारों को उजागर किया जाएगा जिसमें हाथरस पीड़िता और उसके परिवार पर अत्याचार भी शामिल है। 14 नवंबर को भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन के साथ इस साल पड़ रही दिवाली के दिन 'नेहरूवादी विचारधारा और राष्ट निर्माण' विषयक संगोष्ठी 13 नवंबर को प्रत्येक राज्य मुख्यालय में आयोजित की जाएगी। इस संगोष्ठी में, आधुनिक समाज की नींव रखने वाले समग्र समाज और संस्थानों के निर्माण में नेहरूवादी विचारधारा के योगदान पर चर्चा की जाएगी।

वेणुगोपाल ने कहा, 'इसके अलावा, 14 नवंबर, 2020 को पं. नेहरू द्वारा निर्मित आत्मनिर्भरभारत विषय पर प्रकाश डालते हुए 'स्पीक अपफ ॉर पीएसयू' शीर्षक से एक विशाल ऑनलाइन अभियान शुरू किया जाएगा।' पार्टी हर राज्य में कृषि विरोधी कानूनों के खिलाफ महीने भर के बड़े हस्ताक्षर अभियान को तेज करेगी।

महासचिवों और प्रभारियों को निर्देश दिया गया है कि वे जमीनी स्तर पर हस्ताक्षर अभियान की निगरानी करें। सोनिया गांधी ने रविवार को नए नियुक्त राज्य प्रभारियों के साथ बातचीत के दौरान केंद्र सरकार पर हमला बोला और कहा कि लोकतंत्र कठिन दौर से गुजर रहा है।

युवा जोश के साथ तेजस्वी सूर्या ने संभाला भाजयुमो अध्यक्ष का कार्यभार

अशोक रोड से भाजपा मुख्यालय तक निकाला जुलूस, युवाओं ने बरसाए फूल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर । युवा और गतिशील सांसद तेजस्वी सूर्या ने सोमवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। इस दौरान युवा कार्यकर्ताओं ने गाजेबाजे और आतिशबाजी के साथ नई दिल्ली क्षेत्र में शानदार स्वागत किया। तेजस्वी ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के 14 वें अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस दौरान निर्वतमान अध्यक्ष एवं सांसद पूनम महाजन ने उन्हें कार्यभार सौंपा और बधाई दी। समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह और तरुण चुघ भी उपस्थित रहे। उन्होंने नवनियुक्त भाजयुमो अध्यक्ष को बधाई दी।

पदभार ग्रहण करने पर, तेजस्वी ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को धन्यवाद दिया। साथ ही

पूनम महाजन से सौंपा चार्ज, अरूण सिंह एवं तरूण चुग बने गवाह

कहा कि यह हर्ष और सम्मान का विषय है कि उन्हें विश्व के सबसे बड़े युवा संगठन युवा मोर्चा का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि भाजयुमो अध्यक्ष की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। यह कोई लाभ का पद नहीं, बल्कि परीक्षा है। यह न ही केवल एक अवसर है, बल्कि एक चुनौती भी है। हमें मोदी सरकार की हर योजना अंतिम व्यक्ति तक पहुंचानी है। हम सभी को अंत्योदय का अनुसरण करना चाहिए। भारतीय जनता युवा मोर्चा, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में लोकतंत्र को बहाल करने के लिए कड़ी मेहनत करेगा। इन राज्यों में संविधान का राज पुनः स्थापित करने के लिए सैकड़ों युवा कार्यकर्ताओं ने अपना बलिदान दिया है। इन राज्यों के तानाशाहों को सबक सिखाने की जरूरत है। इस मौके पर पूनम महाजन ने नवनिर्वाचित भाजयुमो अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या को बधाई दी। भाजयुमो ने हमेशा, अतीत में अनुकरणीय कार्य किया है और तेजस्वी सूर्य के कुशल नेतृत्व में भविष्य में भी करना जारी रखेगा। भाजयुमो ने कोरोना के संकट के दौरान प्रशंसनीय कार्य किया है और भविष्य में भी अच्छा कार्य करेंगे।

बता दें कि अशोक रोड स्थित तेजस्वी के सरकारी आवास से एक गाडियों का काफिला भाजपा मुख्यालय की ओर पहुंचा। वहां पहले से ही मौजूद अलगअलग राज्यों से आए भाजयुमों कार्यकर्ताओं ने तेजस्वी का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इसके अलावा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष ने भी सोमवार को अपना पदभार ग्रहण किया।

कमल नाथ की महिला प्रत्याशी पर की गई टिप्पणी पर मायावती का हमला

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ द्वारा भाजपा की महिला प्रत्याशी पर की गयी टिप्पणी को आपत्तिजनक बताते हुए कांग्रेस को घेरा है। उन्होंने कहा कि इसका संज्ञान लेकर कांग्रेस आलाकमान को सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए।

मायावती ने सोमवार को ट्विटर के माध्यम से लिखा किए मध्यप्रदेश में ग्वालियर की डबरा रिजर्व विधानसभा सीट पर उपचुनाव लड़ रही दलित महिला के बारे में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व सीएम द्वारा की गई घोर महिला.विरोधी अभद्र टिप्पणी अति.शर्मनाक व अति.निन्दनीय। इसका संज्ञान लेकर कांग्रेस आलाकमान को सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने आगे लिखा कि कांग्रेस पार्टी को इसका सबक सिखाने व आगे महिला अपमान करने से रोकने आदि के लिए भी खासकर दलित समाज के लोगों से अपील है कि वे एमपी में विधानसभा की सभी 28 सीटों पर हो रहे उपचुनाव में अपना वोट एकतरफा तौर पर केवल बीएसपी उम्मीदवारों को ही दें तो यह बेहतर होगा। ज्ञात हो कि 18 अक्तूबर को मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ डबरा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक

जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने बात बात में कैबिनेट मंत्री इमरती देवी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की। कमल नाथ ने भाजपा प्रत्याशी इमरती देवी को आइटम कहा। गौरतलब है कि इमरती देवी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई हैं। कमलनाथ ने इमरती देवी के बारे में कहा कि आप तो उसे मुझसे ज्यादा पहचानते हैं आपको मुझे पहले ही सावधान कर देना चाहिए थाए ये क्या आइटम है।

स्वच्छता मिशन पर दुनिया ने माना भारत का लोहा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, स्वच्छता मिशन को लेकर दुनिया ने भारत का लोहा माना है। वर्ल्ड बैंक, मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन समेत तमाम विश्व एजेंसियों ने माना है कि देश के खुले में शौच से मुक्त होने से दूषित जलजनित बीमारियों में कमी आई है। यदि शौचालयों पर खर्च हुई राशि का रेट ऑफ रिटर्न देखा जाए तो सरकार ने जितनी राशि खर्च की है, उसके 4 गुना प्रति वर्ष की दर से जनता को रेट ऑफ रिटर्न मिल रहा है। सोमवार को शेखावत उत्तर प्रदेश में सामूहिक शौचालयों और पंचायत भवन के लोकार्पण/शिलान्यास के लिए आयोजित ईशिलान्यास कार्यक्रम से जुड़े। शेखावत ने कहा कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिस प्रकार यूपी सरकार काम कर रही है, उसी का परिणाम है कि सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण में यूपी अव्वल है। 2017 में जब योगी आदित्यनाथ सीएम बने थे, तब शौचालयों के निर्माण में उत्तर प्रदेश पिछड़े राज्यों की श्रेणी में आता था। उनके दृढ़संकल्प ने समय से एक वर्ष पूर्व यूपी को खुले में शौच से मुक्त कर इस तस्वीर को बदल दिया। शेखावत ने कहा, 2014 में देश में केवल 38 प्रतिशत घरों में शौचालय थे। 62 प्रतिशत घरों के 60 करोड़ लोग खुले में शौच जाने के लिए मजबूर थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छा शक्ति और राज्यों के सहयोग से देश इस अभिशाप से तय सीमा से पहले मुक्त हो गया। इससे विश्व को नई सोच मिली कि भारत और भारतवासी यदि ठान लें तो मुश्किल से मुश्किल लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं।

गोबर से किसान ग्रामीण कमाएंगे धन

शेखावत ने कहा कि सरकार ने गोबर धन योजना शुरू की है। गांव में ही गोबर और बॉयोगैस के निपटान के साथसाथ व्यावसायिक मॉडल बनाने पर काम किया जा रहा है। योजना के तहत 100 से अधिक पायलट योजनाओं का शुभारंभ इस वर्ष होने जा रहा है।

100 दिन में देंगे स्वच्छ पेयजल

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जलशक्ति मंत्रालय ने 100 दिनों में देश के प्रत्येक गांव, आंगनबाड़ी और विद्यालय में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है, ताकि बच्चों को घर के बाहर भी स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। वो बीमारी और कुपोषण मुक्त हो सकें।

बलिया आरोपी के पक्ष में विधायक की बयानबाजी से नड्डा खफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बलिया स्थित दुर्जनपुर गांव में कोटा की दुकान के आवंटन के दौरान फायरिंग के मुख्य आरोपित धीरेंद्र प्रताप सिंह के पक्ष में लगातार बैरिया से भाजपा के विधायक सुरेंद्र सिंह की तरफ से हो रही बयानबाजी पर प्रदेश नेतृत्व के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी नाराजगी जताई है। नड्डा ने इस प्रकरण पर विधायक सुरेंद्र सिंह को सख्त लहजे में चेतावनी दी है। नड्डा ने भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह से फोन पर बातचीत में साफ कहा है कि विधायक जांच को प्रभावित करने का प्रयास न करें। यह ठीक नहीं होगा।

भाजपा सूत्रों के अनुसारए नड्डा ने विधायक को सख्त चेतावनी दी है। वह विधायक सुरेंद्र सिंह की हरकतों से बेहद नाराज हैं। इसी कारण उन्होंने स्वतंत्रदेव सिंह को फोन किया है। इस दौरान उन्होंने विधायक के आचरण पर भारी नाराजगी जताई। उन्होंने सख्त लहजे में कहा है कि हम ऐसी हरकतें बर्दाश्त नहीं करेंगे। विधायक लगातार इस केस में बयान देते फिर रहे हैं। पार्टी को विधायक के ऐसे बयान बर्दाश्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बलिया कांड की जांच से विधायक दूर रहें तो बेहतर होगा। अगर उन्होंने जांच प्रभावित करने का प्रयास किया तो फिर कठोर कार्रवाई होगी। इससे पहले लखनऊ में रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने बैरिया के विधायक सुरेंद्र सिंह को तलब किया था। माना जा रहा है कि इस प्रकरण में विधायक और समर्थकों पर भी कार्रवाई हो सकती है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने भी उनसे कहा कि इससे पार्टी और सरकार की छवि खराब होती है। सुरेंद्र सिंह ने भाजपा अध्यक्ष से कहा कि उन पर घटना के आरोपियों को बचाने का झूठा आरोप लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि घटना की निष्पक्ष जांच होनी चाहिएए जो जैसा करेगा वैसा भरेगा। विधायक की बयानबाजी को विपक्ष तुरंत लपक रहा है। प्रियंका गांधी ने विधायक के बयान पर भाजपा को काफी घेरा है। गौरतलब है कि 15 अक्टूबर को बलिया के रेवती थाना इलाके के दुर्जनपुर गांव के पंचायत भवन में राशन दुकान आवंटन की प्रक्रिया चल रही थी। हनुमानगंज और दुर्जनपुर के राशन दुकान के चयन को लेकर दो पक्षों में हंगामा हो गया।

सेना ने लद्दाख के डेमचोक में एक चीनी सैनिक को पकड़ा

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (वेबवार्ता)। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक सैनिक को पूर्वी लद्दाख के डेमचोक सेक्टर में सोमवार को उस समय पकड़ लिया गया जब वह वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भटक कर भारतीय क्षेत्र में आ गया था। भारतीय सेना ने यह जानकारी दी। सेना ने बताया कि चीनी सैनिक की पहचान कॉर्पोरल वांग या लान्ग के रूप में की गयी है।

उसे ऑक्सीजन, भोजन और गर्म कपड़े सहित जरूरी चिकित्सा सहायता मुहैया करायी गयी है। दोनों देशों के बीच मई में शुरू हुए गतिरोध के बाद भारत और चीन ने डेमचोक सेक्टर सहित पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर 50,000 से अधिक सैनिक तैनात किए हैं।

सेना ने कहा कि चीनी सैनिक को सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सौंप जाएगा। भारतीय सेना ने एक बयान में बताया, 'पीएलए सैनिक की पहचान कॉर्पोरल वांग या लान्ग के रूप में हुयी है और एलएसी पर भटक जाने के बाद उसे 19 अक्टूबर को पूर्वी लद्दाख के डेमचोक सेक्टर में पकड़ा गया।''

इसमें कहा गया है, 'पीएलए के सैनिक को अत्यधिक ऊंचाई और प्रतिकूल जलवायु संबंधी परिस्थितियों से बचाने के लिए ऑक्सीजन, भोजन और गर्म कपड़े के साथ ही चिकित्सा सहायता मुहैया करायी गयी है।''

बयान के अनुसार लापता सैनिक के ठिकाने के बारे में पीएलए से एक अनुरोध प्राप्त हुआ है।

सेना ने कहा, 'स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार उसे चुशूल मोल्डो बैठक स्थल पर चीनी अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा।' सूत्रों ने कहा कि चीनी सैनिक से पूछताछ की गयी कि वह भारतीय क्षेत्र में कैसे आ गया।

बिहार चुनाव : गठबंधन 4, मुख्यमंत्री पद के 6 दावेदार

सभी दल चाहते है बिहार में सत्ता की भागीदारी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 19 अक्टूबर । बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर चुनावी मैदान में उतरे सभी राजनीतिक दल राज्य की सत्ता तक पहुंचने के लिए पुरजोर कोशिश में जुटे हैं। सभी दलों की चाहत सत्ता में भागीदारी की है। चुनाव को लेकर दल हो या गठबंधन अपने नेता या मुख्यमंत्री का चेहरा सामने रख चुनावी मैदान में ताल ठोंक रहे हैं। कई मुख्यमंत्री पद के प्रत्याशी तो खुद चुनावी मैदान में योद्धा भी बने हैं। इस चुनाव में जहां सत्ता तक पहुंचने के लिए विभिन्न पार्टियों ने चार अलगअलग गठबंधन बनाकर चुनावी मैदान में हैं वहीं बिहार के मुख्यमंत्री बनने का सपना संजोए छह मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार भी हैं।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के मुख्यमंत्री का चेहरा हैं, वहीं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेतृत्व वाले

विपक्षी दल के महागठबंधन राजद नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने के दावे के साथ चुनावी मैदान में है। तेजस्वी खुद राघोपुर से चुनावी मैदान में उतरे हैं। पिछले चुनाव से राज्य की सियासी परिसिथतियां भी बदली हैं। पिछली बार 2015 में विधानसभा चुनाव के जदयू और राजद ने साथ महागठबंधन बनाकर जब चुनाव लड़ा था तब महागठबंधन की ओर से नीतीश कुमार का चेहरा मुख्यमंत्री के लिए सामने रखा गया था, जबकि राजग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे के साथ चुनाव लड़ा और चुनाव परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री तय करने की बात कही थी। इस चुनाव में एक बार फिर भाजपा और जदयू साथ मिलकर चुनावी मैदान में हैं और मुख्यमंत्री का चेहरा नीतीश कुमार हैं। वैसे, इस चुनाव में नीतीश के रास्ते इतने आसान नहीं है। इस चुनाव में छह मुख्यमंत्री के चेहरे हैं। तेजस्वी और नीतीश के अलावे राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा), बसपा के साथ छह दलों का गठबंधन ग्रैंड डेमोक्रेटिक सेक्युलर फ्रंट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा को मुख्यमंत्री पद का दावेदार बनाया है। इधर, जनअधिकार पार्टी के अध्यक्ष पप्पू यादव को प्रगतिशील लोकतांत्रिक गठबंधन ने मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर चुनावी मैदान में जोर लगाए हुए है।

लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) अपने अध्यक्ष चिराग पासवान को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर रखा है, हालांकि चिराग ने अब तक खुद को मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी सार्वजनिक रूप से घोषित नहीं किया है। वैसे, लोजपा इस चुनाव में अकेले 143 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात करते हए आर पार की लड़ाई लड़ रही है।

इधर, इस चुनाव में प्लुरल्स पार्टी की प्रमुख पुष्पम प्रिया चौधरी भी खुद को मुख्यमंत्री प्रत्याशी घोषित कर चुनावी मैदान में है। पुष्पम प्रिया चौधरी ने स्थानीय समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित करते हुए खुद को अगला मुख्यमंत्री घोषित कर रखा है। बहरहाल, सभी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार सत्ता के शिखर पर पहुंचने के लिए चुनावी मैदान में खूब पसीना बहा रहे हैं। लेकिन इस लोकतंत्र में जनता किनके कामों और चेहरे पर मुहर लगाती है, यह तो 10 नवंबर को ही पता चलेगा जब चुनाव परिणाम आएंगे।